'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, अंक 222 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए रविवार, 27 अक्टूबर 2024 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की मुलाकात

राज्य के विकास के संबंध में विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं व योजनाओं पर हुई चर्चा

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार हरियाणा के विकास को तेज गति से आगे बढ़ाएगी : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हरियाणा को विकास की दृष्टि से नई ऊंचाइयों पर ले जाने का करेंगे काम, ''नॉनस्टॉप हरियाणा – बढ़ता हुआ हरियाणा'' होगा : मुख्यमंत्री

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री की प्रधानमंत्री के साथ राज्य के विकास के संबंध में विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं व योजनाओं पर चर्चा व विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आने वाले समय में केंद्र व हरियाणा की डबल इंजन की सरकार प्रदेश के विकास की गति को तीव्रता से आगे बढ़ाएगी और विकास के मामले में ''नॉनस्टॉप हरियाणा बढ़ता हुआ हरियाणा'' होगा। मुख्यमंत्री आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ मुलाकात करने के उपरांत मीडियाकर्मियों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री राजीव जेटली भी उपस्थित थे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गत दिवस हरियाणा विधानसभा में सभी नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली और आज प्रधानमंत्री के साथ उनकी मुलाकात हुई। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री के साथ कई अहम विषयों पर चर्चा हुई है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि हरियाणा में विकास की गति में तीव्रता लाएं ताकि लोगों के जीवन को सरल व सुगम बनाया जा सके। इसी कड़ी में गत दिनों उनकी नई दिल्ली में केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामले मंत्री श्री मनोहर लाल और केन्द्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी के साथ भी बैठकें हुई है, जिसमें कई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

हम हरियाणा को विकास की दृष्टि से नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हरियाणा को विकास की दृष्टि से नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करेंगें। इन परियोजनाओं के अंतर्गत गुरुग्राम में मेट्रो रेल व रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) का विस्तारीकरण होगा तो वहीं सराय कालेखां से पानीपत तक जाने वाली आरआरटीएस परियोजना को करनाल तक बढ़ाने का भी काम शुरुआत हरियाणा के पानीपत से की थी और पिछले 10 सालों में वर्तमान मोदी सरकार ने महिलाओं को सशक्त करने का काम किया है। इसी कड़ी में केन्द्र की मोदी सरकार ने नारी शक्ति वंदन विधेयक पारित करके महिलाओं को सशक्त व मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के पारित होने से जहां बहन-बेटियां विधानसभाओं में अपनी उपस्थिति अधिक संख्या में दर्ज कर पाएंगी वहीं दूसरी ओर विकास की गति में उनकी भी अहम भागीदारी रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को सशक्त करने की दृष्टि से नारी शक्ति वंदन विधेयक लाकर एक तोहफा देने का काम किया है, जिसकी वजह से अब महिलाएं सशक्त/मजबूत होने के साथ-साथ नए आयामों को भी छू पाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के स्वयं सहायता समूह को सशक्त करने के साथ-साथ ड्रोन दीदी जैसी योजनाओं को क्रियान्वित किया है ताकि महिलाओं की कुशलता में निपुणता आ सके। ड्रोन दीदी जैसी योजनाओं को डबल इंजन की सरकार लगातार लागू कर रही है।

पिछले 10 सालों में वर्तमान मोदी सरकार ने महिलाओं को सशक्त करने का किया काम

हरियाणा विधानसभा में महिलाओं की इस बार बेहतर संख्या होने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढाओं' अभियान की

भाजपा फरीदाबाद द्वारा 2.5 लाख लोगों को सदस्य बनाने का लक्ष्य : राजकुमार वोहरा

भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा डिजिटल और पारदर्शी तरीके से चलाया जाएगा, सदस्यता अभियान : राजकुमार वोहरा

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सदस्यता अभियान की शुरुआत की जा चुकी है जिसमें पीएम नरेन्द्र मोदी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह आदि वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने सदस्यता अभियान की शुरुआत में मिस्ड कॉल के जरिए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। देश में अब तक 10 करोड़ से अधिक लोग मिस्ड कॉल के जरिये भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं। हरियाणा में प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली जी द्वारा प्रदेश स्तर पर सदस्यता अभियान चलाने की घोषणा के साथ सदस्यता अभियान के लिए प्रदेश की टीम गठित की जा चुकी है। हरियाणा प्रदेश में 26 अक्टूबर से इस सदस्यता अभियान की शुरुआत की जा चुकी है। हरियाणा में 50 लाख लोगों को पार्टी का सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की पूरे देश में पार्टी द्वारा सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है और हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली के नेतृत्व में सदस्यता अभियान शुरु हो चुका है। प्रदेश में सदस्यता अभियान के निमित वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व प्रदेश महामंत्री एडवोकेट वेदपाल को प्रदेश संयोजक बनाया गया है तथा पांच सदस्य नियुक्त किए गए हैं। फरीदाबाद जिले में इस सदस्यता अभियान को चलाने के लिए जिला संयोजक और जिला सह संयोजको की नियुक्ति भी की गई है। हरियाणा सरकार में चेयरमेन हुकमसिंह भाटी को जिला संयोजक, बिजेन्द्र नेहरा, रामेश्वर प्रजापति और अनीता शर्मा को सह संयोजक नियुक्त किया गया है। भारतीय जनता पार्टी जिला फरीदाबाद की सभी इकाइयों मंडलों, मोर्चों, प्रकोष्ठों और विभागों के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मिलकर फरीदाबाद जिले में इस सदस्यता अभियान को चलाएंगे और इस अभियान के अन्तर्गत जिले में 2.5 लाख लोगों को सदस्य के रूप में जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। श्री वोहरा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी है और पार्टी द्वारा समय समय पर सदस्यता अभियान चलाया जाता है। भाजपा फरीदाबाद जिले के कार्यकर्ता पार्टी के इस सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यकर्ताओं द्वारा डिजिटल और पारदर्शी प्रक्रिया से सदस्यता अभियान चलाया जायेगा। दुनिया की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनने के लिए आपको 8800002024 पर मिस्ड कॉल करना होगा। मिस्ड कॉल करने के बाद आपके फोन पर एक मैसेज प्राप्त होगा, जिसमें मेंबरशिप नंबर दर्ज होगा। मेसेज में प्राप्त लिंक में जाकर अपना पूरा विवरण भरने के बाद आपकी सदस्यता पूर्ण होगी।

डीएपी खाद की कमी को लेकर किसानों का भटकना सरकार का मिसमैनेजमेंट: कुमारी सैलजा

हर जिला में फसलों के रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए पहले से ही करने चाहिए था खाद का प्रबंध

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार को जब पता था कि रबी सीजन की फसलों की बिजाई के समय डीएपी खाद का संकट गंभीर रूप ले लेता है तो उसे देखते हुए सरकार ने उचित कदम क्यों नहीं उठाया। क्यों किसानों को उसके हाल पर छोड़ दिया जाता है ऊपर से भाजपा किसान हितैषी होने का दावा करती है। देश में सालाना करीब 110 लाख टन डीएपी की खपत होती है जिसमें से लगभग 70 लाख टन का आयात होता है। ऐसे में किसान डीएपी के लिए मारा मारा फिरता है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकारी एजेंसी पर खाद खत्म बता दी जाती है जबकि प्राइवेट एजेंसी पर वहीं खाद ब्लैक में बिकती है।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रमुख उर्वरक डाई अमोनियम फास्फेट (डीएपी) की किल्लत ने किसानों की नींद उड़ा दी है। हरियाणा में डीएपी के लिए किसान लाइनों में लगने को मजबूर हैं, फिर भी जरूरत के मुताबिक डीएपी नहीं मिल पा रहा है। रबी सीजन में गेहूं, सरसों, चना और आलू की बुवाई के लिए किसानों को डीएपी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। कई जगह तो डीएपी के लिए मारामारी की स्थिति पैदा हो गई है और किसान धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर हैं। उर्वरक के रूप में यूरिया के बाद देश में सबसे अधिक खपत डीएपी की होती है। डीएपी का प्रयोग मुख्यत: फसल की बुवाई के समय किया जाता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल सितंबर में डीएपी की बिक्री पिछले साल के 15.7 लाख टन के मुकाबले 51 फीसदी घटकर 7.76 लाख टन रह गई है। जबकि इस साल अच्छे मानसून के कारण उर्वरकों की मांग बढ़ी है। डीएपी का मौजूदा संकट खरीफ सीजन के दौरान ही शुरू हो गया था जो अब सामने दिख रहा है। उन्होंने कहा है कि इस साल अप्रैल से अगस्त 2024 तक भारत में 15.9 लाख टन डीएपी का आयात हुआ, जो पिछले साल इसी अवधि में हुए 32.5 लाख टन डीएपी आयात से 51 फीसदी कम है। उन्होंने कहा कि डीएपी आने में देरी हो गई तो सींचे गए खेत अगर सूख जाएंगे और किसानों को फिर से खेतों की सिंचाई करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि जब डीएपी उपलब्ध थी तो डीएपी का वितरण सही तरीके से नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार के पास पूरा रिकॉर्ड है कि किस जिले में कितनी जमीन है और कौन-कौन सी फसल होती है। ऐसे में समय रहते डीएपी व यूरिया का प्रबंध न करना मिसमैनेजमेंट है। अब अगले महीने में किसानों को यूरिया के लिए इसी प्रकार ठोकरें खानी पड़ेगी। उन्होंने सरकार से मांग की कि जरूरत के अनुसार डीएपी तुरंत मुहैया करवाई जाए और यूरिया का पहले से ही प्रबंध किए जाएं ताकि इसके बाद किसानों को परेशान न होना पड़े।

प्रियंका का राजनीति में आना कांग्रेस, महिलाएं और संसद के लिए अच्छा होगा

कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा देश में कांग्रेस की मजबूती के लिए अथक मेहनत कर रही है, कांग्रेस ही नहीं देश चाहता था कि वे राजनीति में आए, चुनाव रण में आए। आज प्रियंका गांधी वायनाड से चुनाव लड़ रही है, उनका राजनीति में आना और चुनावी जंग लड़ना सबके लिए, कांग्रेस, महिलाओं और यहां तक की संसद के लिए अच्छा होगा, महिलाओं की आवाज वे संसद में उठाएंगी। उन्होंने कहा कि संसद में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और राज्यसभा में सोनिया गांधी देश के लोगों की आवाज को बुलंद करेंगे।

सैलजा ने जीवन सिंह की शहादत को किया नमन

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने सिरसा जिला के गांव रोहण निवासी मां भारती के लाल जीवन सिंह की शहादत को नमन करते हुए कहा कि वे शोकाकुल परिवारजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती हैं और ईश्वर से प्रार्थना करती है कि परिजनों को यह कष्ट सहन करने का संबल प्रदान करें। गौरतलब हो कि वीरवार को जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में गांव रोहण (सिरसा) के निवासी जीवन सिंह वीरगति को प्राप्त हुए। शुक्रवार देर शाम को उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया।

दिवाली से पहले ही आगजनी में बुझ गए चार जिंदा चिराग

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम। दिवाली के पर्व से पहले ही एक बेहद दिल जला देने वाले आगजनी के हादसे में चार जिंदा चिराग जिंदगी की जंग हार कर बुझ गए। यह घटना शुक्रवार/ शनिवार मध्य रात्रि को सस्त्वती एंक्लेव के के ब्लॉक हवा महल के पास की बताई गई है। जैसे ही कमरे से आग की लपटे और धुआं देखा गया तो स्थानीय निवासियों के द्वारा सबसे पहले अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया गया। इसके साथ ही निकटवर्ती पुलिस स्टेशन और फायर स्टेशन को सूचना दे दी गई। बताया गया है कि जब तक फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचती, तब तक आग की चपेट में आए चारों युवक बुरी तरह से झुलसने के कारण दम तोड़ चुके थे। पुलिस ने सभी मृतक युवकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। कमरे में आग किस कारण से लगी इसकी जांच की जा रही है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक बिहार के रहने वाले युवक सरस्वती एनक्लेव के जे ब्लॉक हवा महल के पास ही एक बिल्डिंग में किराए पर रह रहे थे। पिछली रात यह सभी युवा के कमरे में सोए हुए थे। इसी दौरान अचानक आग लगी और देखते ही देखते भयंकर रूप ले लिया। कमरा बंद होने तथा आग के एकदम से कमरे में फैलने के कारण युवक अपना बचाव करने में असमर्थ रहे। सभी युवक आग की लपटों से घिरे हुए बुरी तरह से झुलस गए और दम घुटने के कारण मौके पर ही उनकी मौत होने की बात बताई जा रही है। मृतक चार जनों की पहचान नूर आलम, मोहम्मद मुस्ताक, साहिल और अमन के रूप में की गई है। बताया गया है कि इनमें से एक नाबालिक है और एक विवाहित है, यह सभी बिहार के ही रहने वाले बताए गए हैं। स्थानीय आर डब्ल्यू ए के पदाधिकारी और निवासियों के मुताबिक के आग पिछली रात को लगभग मध्य रात्रि 12:30 बजे के करीब देखी गई। इसी बिल्डिंग में एक कमरे में चार युवा और उनके परिजन दूसरे कमरे में सोए हुए थे। अचानक ही मध्य रात्रि में कमरे से आग की लपटे अनहोनी की आशंका को देखते हुए बिना देर किए स्थानीय लोगों ने सबसे पहले ही आग बुझाने के लिए प्रयास किया। लेकिन आग तेजी से फैलती चली गई।

पिता के बाद 14 वर्षीय दिव्यांग बेटी ने भी शरीर दान करने का संकल्प लिया

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। मां बाप अपने बच्चों को जान से भी ज्यादा प्यार करते है। लेकिन कभी कभी उन्हें कलेजे पर पत्थर रखकर ऐसा निर्णय भी लेना पड़ता जिसके लिए उनकी अंतरात्मा नहीं मानती। ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम के संचालक किशन लाल बजाज ने भी कुछ ऐसा निर्णय लिया है। उन्होनें अपनी 14 वर्षीय दिव्यांग बेटी कोमल की यदि मृत्यु होती है तो उसके शरीर को शिक्षण और अनुसंधान उद्देश्य के लिए एनाटॉमी विभाग, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, एनएच 3, एनआईटी, फरीदाबाद, को दान करने का संकल्प लिया है। किशन लाल बजाज ने कहा कि मैंने स्वंय भी अपना शरीर दान देने का संकल्प लिया हुआ है और अब अपनी बेटी कोमल के शरीर को भी दान देने का संकल्प लेकर उन्होनें मानवता के प्रति अपना कर्तव्य निभाया है। अंगदान को सर्वोतम दान बताया गया है क्योंकि एक व्यक्ति अंगदान कर के ही दूसरे को जीवन का वरदान दे सकता है।

सेक्टर 3 हाउसिंग बोर्ड निवासियों को नए ट्यूबल की मिली सौगात

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लभगढ़। सेक्टर 3 हाउसिंग बोर्ड निवासियों को नए ट्यूबल की सौगात मिली है। बल्लभगढ़ से भाजपा के विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री पंश मूलचंद शर्मा के बड़े भाई पंश टिपरचंद शर्मा ने ट्यूबल का बटन दबाकर लोगों को पीने के पानी की सौगात दी।

भाजपा नेता पंश टिपरचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ में विकास की कड़ी लगातार जारी है और जारी रहेगी। चुनावी समय में लोगों ने विकास कार्यों को लेकर जो रुकावट महशूस की, वह रुकावट अब दूर हो चुकी है भाजपा ने बहुमत के साथ हरियाणा में सरकार बनाई है प्रदेश की जनता ने भाजपा पर विश्वास जताया है इसलिए अब विकास के कार्य भी बल्लबगढ़ विधायक पंश मूलचंद शर्मा के नेतृत्व में तेज गति के साथ पूरे कराए जाएंगे।

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

भाजपा हरियाणा सदस्यता अभियान की प्रांत कार्यशाला में बिजेन्द्र नेहरा को मिली बड़ी जिम्मेदारी

समाचार गेट/संजय शर्मा

रोहतक कार्यालय में भाजपा हरियाणा सदस्यता अभियान की प्रांत कार्यशाला में हरियाणा भाजपा प्रदेश प्रवक्ता बिजेन्द्र नेहरा एंव पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का सदस्यता को लेकर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बिजेन्द्र नेहरा ने भाजपा फरीदाबाद जिले के तीन लाख नए सदस्य बनाने हेतु सह जिला संयोजक का दायित्व देने पर पार्टी संगठन का धन्यवाद किया। फोटो: समाचार गेट

दीपावली मिलन समारोह में शामिल हुए राजेश नागर

हरियाणा मीडिया वेलफेयर क्लब द्वारा दिवाली मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें राज्य मंत्री राजेश नागर ने कार्यक्रम में शिरकत की। फोटो: समाचार गेट

अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें। नोट: मेल में नाम, पता और मोबाईल नंबर जरूर लिखें।

samachargate@gmail.com

होने वाले बच्चे के विकास पर असर डालता है सीलिएक रोग

Onlymyhealth

सिलिएक रोग एक अनुवांशिक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो बच्चे के विकास को प्रभावित करता है। ऐसे में गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं हाई फाइबर का सेवन करें और ग्लूटेन खाने से परहेज करें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को इस रोग का खतरा कम हो सकता है।

सीलिएक छोटी आंत की बीमारी है या कहा जा सकता है कि यह कुछ खानपान से होने वाली एलर्जी है। जब खाना ग्लूटेन से निकलता है, तो यह आपके पाचन तंत्र को प्रभावित करता है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। सीलिएक रोग एक ऑटोइम्यून रोग है। सीलिएक रोग एक गंभीर रोग है। सीलिएक रोग गर्भवती महिलाओं से उनके होने वाले बच्चे के विकास पर भी असर डालता है। सिलिएक रोग के कारण बच्चे की ग्रोथ रूक जाती है, जैसे बच्चे की लंबाई पर इसका असर देखने को मिलता है। आइए जानते हैं कि क्या है सिलिएक रोग और इसके प्रमुख लक्षण।

क्या है सिलिएक रोग

सिलिएक रोग एक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो कि छोटी आंत से जुड़ा रोग है। सीलिएक रोग प्रतिरक्षा प्रणाली की वजह से होने वाली बीमारी है, जो कि ग्लूटेन खाने की वजह से होती है, जिसमें कि शरीर की रोग प्रतिरोधक्षमता अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ने लगती है और यह पाचन तंत्र को प्रभावित करती है। यह बीमारी गेहू, जौ, ओट्स और अन्य साबुत अनाजों से होने वाली बीमारी है, क्योंकि गेहू, जौ एवं ओट्स में ग्लूटेन नामक प्रोटीन पाया जाता है। सिलिएक रोग व्यक्ति की छोटी आंत को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि कई शारीरिक विकार भी पैदा करता है।

गर्भवती महिलाएं बरतें सावधानियां

सिलिएक रोग के लक्षण

सिलिएक रोग मुख्यतः पेट की समस्याओं से जुड़ा है, लेकिन बच्चों में यह रोग उनके शारीरिक विकास पर भी बाधा डालता है। इस रोग के कुछ मुख्य लक्षण हैं जैसे- कब्ज, दस्त, पेट में दर्द या पेट का फूलना, थकान, सिर दर्द, उल्टी आना, बाल झड़ना या शरीर में निशान व दानें आना। इसके अलावा शरीर का वजन कम होना, हड्डियों की बीमारी, खून की कमी और बार-बार गर्भपात भी हो सकता है।

अपने आहार में अनाज के साथ ही फल और सब्जियों को करें शामिल

- गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं यह सावधानी बरतें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से दूर रख, इसके खतरे को कम कर सकती हैं। अध्ययन बताते हैं कि गर्भावस्था के दौरान यदि महिला फाइबर युक्त आहार का सेवन करती है तो वह उसके एवं आने वाले बच्चे के लिए फायदेमंद होता है।
- गर्भवती महिलाओं को गेहूं के आटे के बजाय बेसन का इस्तेमाल करना चाहिए।
- ऐसे में आपको अपने आहार में चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, दूध व दूध से बने उत्पाद और फल-सब्जियों को शामिल करना चाहिए। इससे आप स्वयं व अपने आने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से बचाव कर सकते हैं।
- इसके अलावा साबुदाना की खिचड़ी, सिंगाड़े के आटे से बनने वाली रोटी, चिड़वा, मूंग दाल का हलवा और चीला खा सकते हैं, क्योंकि कई बार गर्भावस्था के दौरान कई कुछ खाने का मन होता है, तो आप चटपटी आलू की टिक्की या घर में बनी मावे की मिठाई व हलवा ले सकते हैं।
- अधिकतर प्रोस्टेट फूड्स में गेहू, जौ या राई शामिल होता है। इसलिए इस पर लगे लेबल को जरूर देखें कि इसमें ग्लूटेन मात्रा शामिल है या नहीं।

इसके अलावा बियर से भी परहेज बरतें, क्योंकि इसमें भी गेहू, जौ एवं राई शामिल होता है।

रेसिपी

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- आलू: 3 (उबले और मैश किए हुए)
- गाजर: 1/2 कप (बारीक कटी हुई)
- मेथी: 1/4 कप
- बीन्स: 3-4 कप (बारीक कटी)
- नमक: स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च: स्वाद के अनुसार
- ब्रेड क्रम्स: 1 कप
- तेल: तलने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक साथ बाउल में मिक्स कर लें और उन्हें फिंगर्स का शेप दें। अब कढ़ाही में तेल डालें और सुनहरा होने तक तल लें। तैयार हैं वेजिटेबल फिंगर्स।

हांडी पनीर

सामग्री

- पनीर: 200 ग्राम
- अदरक घिसा हुआ
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- टमाटर:1
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/2 छोटा चम्मच
- काली मिर्च: चुटकीभर
- पानी: 1/2 कप
- प्याज: 3 बारीक कटे
- दही: 1/2 कप
- धनिया: बारीक कटी
- तेल: आवश्यकता के अनुसार
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

हांडी में तेल गर्म होने के लिए रख दें, अब इसमें बारीक कटा प्याज डालकर भुनें। इसके बाद इसमें अदरक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला डाल दें। थोड़ी देर भुनने के बाद इसमें टमाटर, हरी मिर्च डालकर पकाएं। इसके बाद इसमें दही डालें और उसे तब तक सूखने तक चलाते रहें, इसके बाद इसमें नमक और पानी डालकर उबाल आने तक और पकाएं। अब बारी है इसमें पनीर मिक्स करने की। इसके बाद हरी धनिया डाल दें। सबसे बाद में काली मिर्च डालें और तैयार है आपका हांडी पनीर।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकोय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय को स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 3334

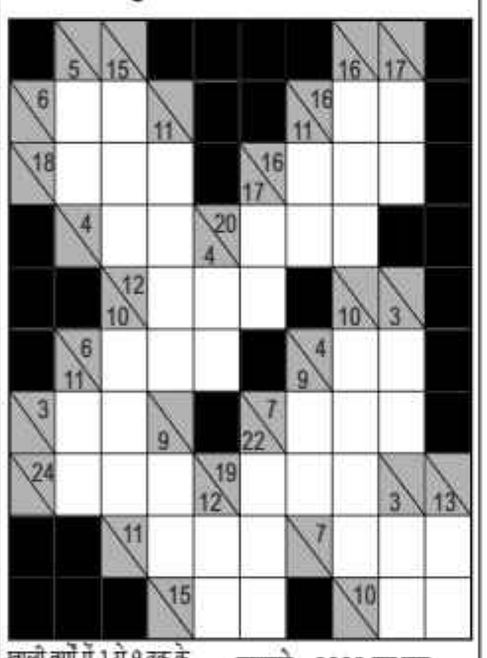

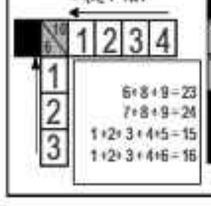

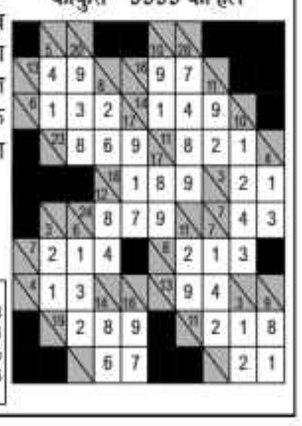

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3333 का हल

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

□ □ □

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

□ □ □

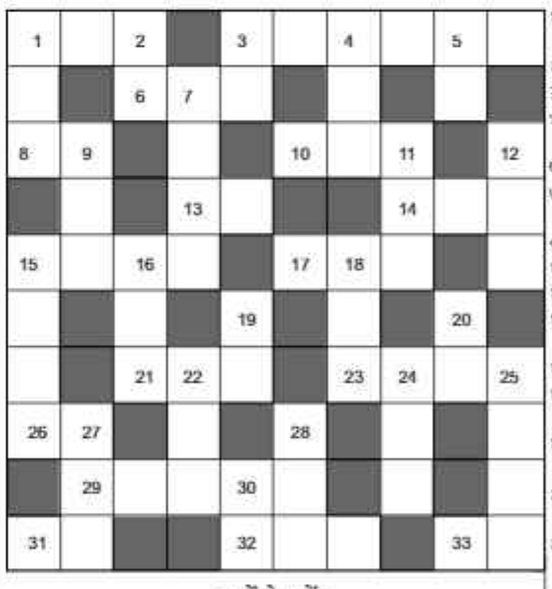

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3334

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नताग्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रुत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पे मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा पे देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेंहदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नहीं' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरुख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नांडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3333

सूडोकु -3334

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3333 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

शब्द पहेली - 3334

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.नैया-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्जन,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्मा-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -3333 का हल

फरीदाबाद में बढ़ते प्रदूषण से स्कूली स्टूडेंट परेशान

बोले-जाते समय आंखों में होती है जलन, सांस लेने में भी दिक्कत

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिले में बढ़ते प्रदूषण से स्कूली छात्रों को भी परेशान झेलनी पड़ रही है। सुबह के वक्त स्कूल जाते हुए छात्रों के आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी हो रही है।

छात्रों ने कहा कि सुबह स्कूल के लिए जाने पर आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी होती है। कभी-कभी तो खांसी भी होने लग जाती है। स्कूल के गेट के आसपास भी काफी धूल है, जब छुट्टी होती है, उस समय घर के लिए जब निकलते हैं, तो सडक़ें पर बहुत ज्यादा धूल उड़ती है, जो आंखों में भी चली जाती है। छात्रों ने कहा जिस तरह से पॉल्यूशन हर साल होता है, उसके लिए कोई ठोस कदम उठाने चाहिए। दीपावली के दिन पटाखे नहीं चलने चाहिए। अगर लोगों ने पटाखे चलाए, तो उससे भी पॉल्यूशन बढ़ेगा और भी ज्यादा दिक्कत होगी।

वही अभिभावकों ने कहा कि पॉल्यूशन धीरे-धीरे बढ़ रहा है। ऐसे में सरकार को और प्रशासन को कोई ठोस कदम उठाना चाहिए सुबह जब बच्चों को स्कूल छोडने. जाते हैं उसे समय आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी होती है। ऐसे पॉल्यूशन में तो सबसे ज्यादा छोटे बच्चे और बुजुर्गों को परेशानी होती है।

उन्होंने कहा कि सडक़ें पर बहुत ज्यादा धूल उठाती है, तो प्रशासन को पानी का छिडक़ाव भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन प्रशासन को बच्चों के इम्यूनिटी इतनी स्ट्रॉन्ग बड़ों के मुकाबले नहीं होती, तो वह इस पॉल्यूशन को झेल पाए। इसलिए सरकारों पर शासन को भी इस पर ध्यान देना चाहिए। पहले से ही इंतजाम करके रखना चाहिए। पॉल्यूशन ना बढ़े, क्योंकि

फरीदाबाद की निजी कंपनी में मजदूर की मौत

वैल्डिंग करते समय फटा लोहे का ड्रम, अचानक हुई स्पार्किंग

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। फरीदाबाद के सेक्टर 57 में स्थित एक निजी एलिगेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में शनिवार को वैलडिंग करते समय एक ड्रम फट गया। जिसके चलते वैलडिंग करने वाले कर्मचारी की मौत हो गई। फिलहाल मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए फरीदाबाद की बादशाह खान अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया गया है। मामले में मृतक के चचेरे भाई बलबीर ने बताया कि उनका चचेरा भाई मुकेश कंपनी में वैलडिंग का काम कर रहा था, उसने अर्थिंग लेने के लिए एक खाली पड़े लोहे के ड्रम पर लोहे की रोड को जैसे ही टच किया, तभी स्पार्किंग के साथ ड्रम फट गया। जिसके चलते मुकेश बुरी तरह घायल हो गया। जिसे आनन फानन में कंपनी की तरफ से फरीदाबाद के सेक्टर 8 स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए लेकर जाया गया। वहां पहुंचने पर डॉक्टर ने मुकेश को मृत घोषित कर दिया। बलवीर ने बताया कि मुकेश के दो बेटे और एक बेटी हैं। मुकेश घर में कमाने वाला एकलौता ही था। मुकेश फिलहाल बल्लभगढ़ स्थित राजीव कॉलोनी में रह रहा था, जो कि मूलरूप जिला पलवल का रहने वाला था। बलवीर ने कहा कि मुकेश के अचानक से हादसे का शिकार होकर मौत हो जाना परिवार में आर्थिक संकट पैदा होना लाजमी है। इसके चलते वह चाहता है कि जिला प्रशासन और कंपनी संचालक मृतक मुकेश के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करें।

राजकीय कन्या विद्यालय सीही में दीपोत्सव मेले का किया आयोजन

छात्राओं को पटाखे रहित दिवाली मनाने का संकल्प दिलाया: प्रधान सन्तसिंह हुड्डा

समाचार गेट /सुमित गोयल

बल्लभगढ़। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीही सेक्टर 8 के प्रांगण में दिवाली के उपलक्ष में दीपोत्सव मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एन टी पीसी से पंकज अरोड़ा,गौरी गौड़, शिवेन्द्र ,शिवालिक कम्पनी से रोहतास,निधि एवं रोटरी क्लब से माधवी हंस, बी आर सी डाक्टर कमल चौधरी, पूर्व प्राचार्य डाक्टर रोहतास, पूर्व प्राचार्य बिजेंद्र ने मेले का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर रिबन काट कर किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर जयप्रकाश वैष्णव ने पौधे भेंटकर व माला पहनाकर सभी अतिथियों का अभिनंदन कर स्वागत किया। कार्यक्रम में छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और प्रत्येक कक्षा की छात्राओं ने अपने – अपने स्टाल लगा कर अपने हाथों से बनी कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई। कार्यक्रम में छात्राओं ने अपने हाथों से बने खाने के व्यंजनों की भी स्टाल लगाई।इस अवसर पर प्रथम व द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी पाने वाली कक्षाओं की छात्राओं को व वालेंटियर छात्राओं को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर मंच संचालन कर रहे जनहित सेवा संस्था फरीदाबाद के प्रधान संत सिंह हुड्डा ने सभी छात्राओं व अध्यापकों को पटाखे रहित दिवाली मनाने का संकल्प दिलाया और कहा कि पटाखे चलाना बेफजूल खर्ची है। पर्यावरण प्रदूषित होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर जयप्रकाश वैष्णव ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त कर धन्यवाद किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विद्यालय के प्राचार्य व सभी अध्यापकों एवं छात्राओं को बी आर सी डाक्टर कमल चौधरी ने सराहना करते हुए दिवाली की बधाईयां व शुभकामनाएं दी। नीतू ,देविना, निशा ,नीलम , देवलता, आशु गांधी, रोहित, जावेद शेख ने अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में एसएमसी कमेटी की प्रधान, गणमान्य लोग विशेष रूप से उपस्थित थे।

सुषमा स्वराज राजकीय कन्या महाविद्यालय में वार्षिक पत्रिका कृत्वी का हुआ अनावरण

बल्लबगढ़ सेक्टर 2 स्थित सुषमा स्वराज महाविद्यालय में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में पुस्तक का विमोचन करते हुए बल्लभगढ़ से विधायक और पूर्व केबिनेट मंत्री पंश मूलचंद शर्मा के बड़े भाई श्री टिपरचंद शर्मा और कॉलेज की प्रिंसिपल श्रीमती रितिका गुप्ता,प्रिंसिपल अर्चना गुप्ता और कॉलेज के प्रोफेसर और कॉलेज की बेटियां। फोटो: समाचार गेट

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लभगढ़। राजकीय कन्या महाविद्यालय बल्लभगढ़ में वार्षिक पत्रिका कृत्वी का अनावरण वरिष्ठ भाजपा नेता पंडित टिपर चंद शर्मा विशिष्ट अतिथि डॉ अर्चना वर्मा प्राचार्या राजकीय महाविद्यालय नचोली एवं प्राचार्या डॉक्टर रितिका गुप्ता ने किया । यह कॉलेज पत्रिका का तीसरा अंक था इसमें कॉलेज की बहुत सारी छात्राओं ने एवं अध्यापकों ने अपनी कविता लेख निबंध एवं मौलिक विचारों को स्थान दिया । पत्रिका के विमोचन के लिए माननीय विधायक पं मूलचंद शर्मा जी ने भी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

इस पत्रिका का सम्पादन डॉ ऋचा गुप्ता की देखरेख में संपादक मंडल के सदस्यों डॉ उषा दहिया, डॉ रमनप्रीत कौर, डॉ चंद्रशेखर , डॉ अमोल की देखरेख में किया गया। जिसके लिए मुख्य अतिथि पं टिपर चंद्र शर्मा जी ने इस प्रकार के लेखन कार्य के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी जोर शोर से प्रस्तुति दी इस कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ चंद्रशेखर ने किया एवं सभी अतिथियों का धन्यवाद डॉ सपना नागपाल के द्वारा किया गया इस अवसर पर डॉ. भावना कौशिक, डॉ मोना ,डॉ धर्मवीर वशिष्ठ, डॉ कुलदीप, डॉ निधि ,डॉ चंचल ,श्रीमती दिव्या, डॉ संवेदना, डॉ दीपशिखा, डॉ पूनम मलिक, आदि सभी प्राध्यापक मौजूद थे।

सतयुग दर्शन ट्रस्ट में हुआ 'अंतर्विद्यालयी कविता पाठ प्रतियोगिता'

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। हे ईश्वर! हमें बुराई से अच्छाई की ओर ले चलो। हे ईश्वर ! हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। हे ईश्वर ! हमें मृत्यु से मोक्ष की ओर ले चलो। नि:संदेह वेद-शास्त्र के इस कथन से तो हम सब भली-भाँति परिचित ही है, परन्तु इस कथन को हकीकत में चरितार्थ कर, जन-जन को बदी से मुक्त कर, पुन: नेकी की राह पर प्रशस्त करने का बीड़ा उठाया है, सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजि0) ने, अपने परिसर में समभाव-समदृष्टि का स्कूल खोलकर। आपकी जानकारी हेतु भौतिक ज्ञान से भिन्न, आत्मिक ज्ञान प्रदान करने वाला यह विश्व का पहला वह अनूठा स्कूल है जो अपनी विभिन्न ज्ञानप्रदायक गतिविधियों के माध्यम से सबके अन्दर विशेषतया बाल-युवाओं में, एक सद्गुण सम्पन्न, सदाचारी इंसान बनने की उमंग पैदा कर, हृदय विहिर अपने मूल आद् सत्य स्वरूप से जुडने की प्रेरणा दे रहा है ताकि सब आत्मा और परमात्मा की शाश्वतता, शाश्वत जीवन और शाश्वत मूल्यों में विश्वास, नैतिक व्यवस्था को भौतिक व्यवस्था से उच्चतर मानने में विश्वास तथा इन विश्वासों के अनुसार आचार-व्यवहार दर्शा कर, एकता, एक अवस्था में आ सकें और सतवस्तु में प्रवेश पा विश्राम को पा सकें। ज्ञात हो इस प्रतियोगिता के अंतर्गत देश के 18 राज्यों व 3 केंद्र शासित प्रदेशों के बाल-युवाओं व प्रौढों ने तीन चरणों में, बड़े उत्साह से भाग लिया और सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ में विदित आत्मिक ज्ञान की पढ़ाई पर आधारित आध्यात्मिक विषयों यथा आत्मिक ज्ञान, भौतिक ज्ञान व आत्मिक ज्ञान में अंतर, भाव, विचार, विवेक, संकल्प स्वच्छ, आहार एवं वाणी संयम, आत्मनिरीक्षण, आत्मसंयम, मानव स्वरूप की पहचान, ब्रह्म, शब्द ब्रह्म, समभाव-समदृष्टि की जीवन उपयोगी महत्ता आदि पर अत्यन्त ही प्रभावशाली व सुरूचिपूर्ण ढंग से अपना व्यक्तव्य प्रकट कर सबको चकित कर दिया। हैरानी की बात तो यह है कि आधुनिक समाज को बाल-युवा पीढ़ी जहाँ आज अध्यात्म या परमार्थ से दूर भागती है अधिकतर उस आयु वर्ग के सज्जनों ने ही, इस प्रतियोगिता के समापन समारोह के दौरान, ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उनकी इसी प्रार्थना को स्वीकार कर, ट्रस्ट के तत्वाधान में चल रहे, समभाव-समदृष्टि के स्कूल यानि ध्यान-कक्ष द्वारा, शीघ्र ही बाल दिवस के शुभ अवसर पर, बाल-युवाओं के नैतिक उत्थान हेतु 'आध्यात्मिक गूंज – कविता सुमन' नामक 'अंतर्विद्यालयी कविता पाठ प्रतियोगिता' आयोजित करने की घोषणा कर दी है। ज्ञात हो कि यह प्रतियोगिता तीन वर्गों में यथा दूसरी से पाँचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए, छठी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए, तथा नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए है। इस आयोजन के तहत पहले प्रत्येक स्कूल, समभाव समदृष्टि के स्कूल द्वारा, आत्मिक ज्ञान की पढ़ाई पर आधारित आध्यात्मिक विषयों पर, अंग्रेजी या हिन्दी में अपने स्तर पर प्रतियोगिता करवाएगा। फिर प्रत्येक श्रेणी में चयनित सर्वश्रेष्ठ सात प्रविष्टियों यानि मौलिक कविताओं के वीडियो को निर्णायक मंडल की जाँचनार्थ, स्कूल के अधिकारियों को आनलाइन लिंक पर .द्वश्व4 प्रारूप में दिनाँक 5 दिसम्बर 2024 तक ऑनलाइन अपलोड करना होगा। तद्पुरांत निर्णायक मंडल के निर्णय अनुसार, प्रत्येक श्रेणी में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

फरीदाबाद की बेटी ने कर्नाटक लॉ यूनिवर्सिटी में जीता गोल्ड मेडल

पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरीश साल्वे को फरीदाबाद की बेटी ने माना आदर्श

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। बारहवीं कक्षा में डीपीएस स्कूल की टॉपर रही फरीदाबाद की बेटी मान्या आनंद अब कर्नाटक स्टेट लॉ यूनवर्सिटी में परचम लहराते हुए गोल्ड मेडलिस्ट बनी हैं। मान्या आनंद कर्नाटक स्टेट के 105 लॉ कॉलेजों में सबसे अधिक 74.77 फीसदी अंक लेकर पहले स्थान पर रही है। कर्नाटक लॉ यूनिवर्सिटी में अब तक सर्वाधिक अंक हासिल करने वाली हरियाणा के फरीदाबाद की यह पहली छात्रा रही है। जिसका नाम यूनिवर्सिटी में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गया है। ग्रेटर फरीदाबाद के ओमेक्स स्पा विलेज में रहने वाले एलपीजी पाट्र्स निर्माता के कारोबारी संदीप आनंद की बेटी मान्या आनंद ने डीपीएस स्कूल फरीदाबाद से 12 वीं कक्षा में 98.8 फीसदी अंक हासिल कर टॉप किया। इसके बाद मान्या आनंद ने कर्नाटक लॉ यूनिवर्सिटी के अधीनस्थ क्रिस अकेडमी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ कॉलेज में पांच वर्षीय बीए एलएलएम में दाखिला लिया। जहां फरीदाबाद की इस बेटी ने प्रत्येक वर्ष टॉप किया। कडी मेहनत व लगन के चलते मान्या आनंद अब सभी सेमेस्टरों में टॉप रही। यूनिवर्सिटी की ओर से हाल ही में अपने अधीनस्थ 105 लॉ कॉलेजों की मेरिट सूची तैयार की, जिनमें फरीदाबाद की बेटी मान्या आनंद सर्वाधिक 74.77 अंक लेकर न केवल प्रथम स्थान पर रहीए अपितु गोल्ड मेडलिस्ट भी बनी। गोल्ड मेडलिस्ट सूची में नाम आने पर परिजनों की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। इस समय मान्या आनंद क्राइम यूनिवर्सिटी एनसीआर कॉरपोरेट लॉ से एलएलएम की पढाई कर रही है। कर्नाटक स्टेट लॉ यूनिवर्सिटी से गोल्ड मेडलिस्ट की सूची में नाम आने की सूचना के बाद ग्रेटर फरीदाबाद के ओमेक्स स्पा विलेज में बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। गोल्ड मेडलिस्ट की सूची में शामिल होने से गदगद मान्या आनंद का कहना है कि वह पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरीश साल्वे को अपना आदर्श मानती है। अब उसका लक्ष्य लॉ के क्षेत्र में विदेशों तक भारत का नाम रोशन करना है।

कृष्ण मिड्डा को डिप्टी स्पीकर बनाने पर जतायी खुशी

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। फ्रंटियर बिरादरी फरीदाबाद के सरपरस्त और पंजाबी सेवा समिति बल्लभगढ़ के प्रचार मंत्री एवं हिन्दु युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष शिक्षाविद्, पर्यावरणविद, समाजसेवी संजय खट्टर आर्य ने जींद विधानसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार विधायक बने डॉ. कृष्ण मिड्डा को हरियाणा विधानसभा का उपाध्यक्ष बनाने पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया है। संजय खट्टर आर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने डॉ. कृष्ण मिड्डा को विधानसभा उपाध्यक्ष बनाकर समस्त पंजाबी समाज के मान सम्मान को बढ़ाया है। उन्होनें कहा कि डा. कृष्ण मिड्डा को विधानसभा उपाध्यक्ष बनाकर पंजाबी समाज की राजनीतिक भागीदारी भी सुनिश्चित की है। संजय खट्टर आर्य ने कहा कि डॉ. कृष्ण मिड्डा जींद विधानसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार विधायक बने है, जिससे यह स्पष्ट है कि वे लोकप्रिय नेता है तथा जनता के उत्थान एवं हित के कार्य करते आ रहे हैं। ऐसे में अब नई जिम्मेवारी को भी वे बखूबी निभाएंगे।

नशे के विरुद्ध कार्यक्रम में नवनियुक्त सिपाहियों को किया जागरूक

समाचार गेट/ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो प्रमुख श्री ओपी सिंह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साहब के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन और पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुरी कुमार साहब के नेतृत्व में हरियाणा में नशे के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो द्वारा प्रतिदिन नशे के विरुद्ध कार्यक्रम किए जा रहे हैं। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा को इस अभियान के लिए कार्य सौंपा है। वे प्रतिदिन हरियाणा के अलग अलग शहरों और गांवों तक इस अभियान के अंतर्गत युवाओं को नशे से दूर रहने को प्रेरित कर रहे हैं। इस कड़ी में आज कुरुक्षेत्र पुलिस लाइन में नवनियुक्त पुलिस सिपाहियों के साथ वार्तालाप के माध्यम से जागरूक किया और बताया कि हरियाणा पुलिस और हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो का लक्ष्य हरियाणा को नशा मुक्त करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस का दायित्व समाज के प्रति और अधिक बढ़ जाता है। इसीलिए किसी भी पुलिस कर्मचारी और अधिकारी को स्वयं नशे से दूर रहना अति आवश्यक है। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान और हुक्का आदि का सेवन प्रतिबंधित है। सेवा सुरक्षा और सहयोग के नारे को चरितार्थ करने वाली पुलिस को नशा मुक्त समाज बनाने में सर्वाधिक परिश्रम करना होता है। सबसे पहले हमें अपने जीवन में नशे से दूरी बनानी है और समाज और राष्ट्र के विकास में सहभागिता करनी है।

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि नशे को दो भागों में विभाजित कर सकते हैं। उन्होंने विस्तार पूर्वक नशे के कारण, प्रभाव और रोकने के उपाय आदि पर चर्चा की। उन्होंने ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 पर चर्चा करते हुए कहा कि इस पर कोई भी ड्रग्स बेचने वाले की गुप्त सूचना देकर अपने कर्तव्य का निर्वहन कर सकता है।

संपादकीय

हिंदुओं की जनसंख्या बढ़ाने के बारे में सोचना वक्त की मांग है

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

राष्ट्रीय राजनीति की अपनी चिंताएं हैं, जबकि सूबाई राजनीति की अपनी दुश्चिंताएं! लोकतांत्रिक सियासत में इनमें तालमेल बिठाना वाकई दुष्कर कार्य है, क्योंकि राष्ट्रीय हितों के ऊपर कहीं साम्प्रदायिक, कहीं जातीय और कहीं क्षेत्रीय हितों को हावी किया जाता रहा है और ऊटपटांग वकालत की जाती रही है। ऐसे में हरेक सिक्के के दो पहलू की तरह ही इन्हें भी लिए जाने की जरूरत है और हमारे समग्र राष्ट्रीय हित कैसे सध सकें, इसके लिए प्राथमिकता तय किये जाने की जरूरत है।

देखा जाए तो भारत में अप्रत्याशित रूप से मुस्लिमों की बढ़ती जनसंख्या जहां कुछ राजनीतिक दलों व सामाजिक संस्थाओं के लिए चिंता की बात है और इन्हें नियंत्रित किये जाने की वकालत हिन्दू समुदाय के नेता व समाजसेवी खुलेआम कर रहे हैं और तत्सम्बन्धी डेटा भी सार्वजनिक कर रहे हैं। वहीं, इस बात की वकालत भी की जा रही है कि हिंदुओं को भी बंध्याकरण व नसबंदी की नीति का परित्याग करके ज्यादा बच्चे पैदा करना चाहिए, ताकि मुस्लिमों के मुकाबले हिंदुओं की जनसंख्या ज्यादा बनी रहे। कमोबेश यही वैश्विक डिमांड भी है। हमारे पास अकूत प्राकृतिक संसाधन हैं, पास-पड़ोस में जनसंख्या के समुचित समायोजन की संभावनाएं हैं और शेष विश्व में बहुत सारे भूभाग आबादी विहीन हैं, जहां रणनीतिक रूप से हिंदुओं को बसाने में कोई दिक्कत भी नहीं आएगी, क्योंकि हमारे वीर-बांकुडों और समझदार लोगों की मांग यत्र-तत्र-सर्वत्र है। हां, इसके लिए स्पष्ट वैश्विक, राष्ट्रीय और सूबाई सोच होनी चाहिए और सबमें बेहतर तालमेल की गुंजाइश बनी रहनी चाहिए।

ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है कि दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी ईसाइयों की है, फिर दूसरी बड़ी आबादी इस्लाम मतावलंबियों की है। जबकि हिन्दू आबादी संसार की तीसरी बड़ी आबादी है। व्यापार में भी इसी तरह से संख्या बल में हिंदू कारोबारी तीसरे पायदान पर हैं। यही वजह है कि हिंदुओं को भी अपनी आबादी मुस्लिमों की तरह बेतहाशा बढ़ानी चाहिए और ईसाई व इस्लाम मतावलंबियों की तरह वैश्विक मतांतरण अभियान दुनिया के हरेक देशों में छेड़ना चाहिए। चूंकि अधिकांश धर्म सनातन मतावलंबियों से ही टूटकर बने हैं, इसलिए घरवापसी अभियान भी चलाया जा सकता है। इसके लिए हिन्दू धर्म को सरल बनाना होगा, ताकि अल्प आय वर्ग के लोग भी इसमें फिट बैठ सकें और मौजूदा आडंबरों की मार उनपर नहीं पड़े। कहना न होगा कि यदि ऐसी रणनीति नहीं अपनाई गई तो निकट भविष्य में अस्तित्व रक्षा के भी लाले पड़ जाएंगे। इतिहास साक्षी है कि ईसाई व यहूदी धर्म की उत्पत्ति भी इस्लाम धर्म से ही हुई है, इसलिए जब दोनों जुड़वां धार्मिक ताकतें एक हो जाएंगी तो हिंदुओं की वैश्विक परेशानी ज्यादा बढ़ जाएगी। ऐसे में हिंदुओं की जनसंख्या वृद्धि का विचार दूरदर्शिता भरा दृष्टिकोण है, यदि सही मायने में देखा जाए तो। इसलिए अब जो दक्षिण भारत से जनसंख्या वृद्धि के सुर सुनाई देने लगे हैं, उससे उत्तर भारत के लोगों को भी सबक लेनी चाहिए और पारस्परिक तालमेल बिठाकर अपने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक व लोकतांत्रिक हितों की रक्षा करनी चाहिए।

इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना में बुजुर्गों की आबादी अधिक है। इसे संतुलित करने के लिए ही टीडीपी नेता और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पिछले हफ्ते कहा था कि लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी सरकार इसे प्रोत्साहित करने के लिए कानून लाने की योजना भी बना रही है। राज्य की बुजुर्ग होती आबादी को देखते हुए यह एक नेक कदम है। इसके बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक पुराने आशीर्वाद का जिक्र करते हुए लोगों को 16 बच्चे पैदा करने की सलाह और शुभकामना दे डाली। इससे भी कोई दिक्कत नहीं है। समुद्र में फ्लोटिंग हाउस बनाने और ऐसे ही प्राकृतिक जमीन विकसित करने की पूरी गुंजाइश है। बहरहाल, दोनों मुख्यमंत्री यह सलाह इसलिए दे रहे हैं क्योंकि जल्द ही देश में संसदीय सीटों का नये सिरे से परिसीमन होना है। इस परिसीमन के मुताबिक दस लाख लोगों की आबादी पर एक सांसद होगा।

चूंकि दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के मामले में तो बेहतरीन प्रदर्शन कर किया है, जिसकी वजह से वहां प्रजनन दर कम हो गयी है। इसलिए उन्हें अब यह डर सता रहा है कि यदि आबादी के लिहाज से संसदीय सीटों का निर्धारण हुआ तो देश की राष्ट्रीय राजनीति पूरी तरह उत्तर भारत केंद्रित हो जायेगी। लेकिन यदि हिंदुत्व की अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति के नजरिए से देखा जाए तो दक्षिण भारत के मुख्यमंत्रियों का ताजा आह्वान भारत और हिंदुत्व दोनों के लिए बरदान साबित हो सकता है। इसलिए यह कहना कि देश में एक ओर उत्तर भारत में जनसंख्या नियंत्रण कानून लाये जाने की मांग हो रही है तो दूसरी ओर दक्षिण भारत के दो प्रमुख राज्यों के मुख्यमंत्री अपनी जनता को ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की सलाह दे रहे हैं, में कोई दिक्कत नहीं है। बस, उत्तर भारत के नेताओं को अपना नजरिया बदलना होगा और हिंदुओं की जनसंख्या में अधिकाधिक वृद्धि की रणनीति बनानी होगी। वहीं, मोदी सरकार को भी बदलते नजरिए के मुताबिक विदेश नीति बनानी होगी।

बता दें कि संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज (आईआईपीएस) द्वारा तैयार इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना में बुजुर्गों की आबादी अधिक है। रिपोर्ट कहती है कि 2021 और 2036 के बीच इन राज्यों में बुजुर्गों की दर में बहुत अधिक तेजी से वृद्धि होगी। माना जा रहा है कि केरल की जनसंख्या में बुजुर्गों की हिस्सेदारी 2021 की 16.5% से बढ़कर 2036 में 22.8% हो जाएगी। वहीं, तमिलनाडु में 13.7% से बढ़कर 2036 में 20.8% हो जाएगी। उधर, आंध्र प्रदेश में 2021 के 12.3% से बढ़कर 2036 में 19% हो जाएगी, जबकि कर्नाटक में बुजुर्गों की आबादी 11.5% से बढ़कर 2036 में 17.2% हो जाएगी और तेलंगाना में 2021 के 11% से बढ़कर 2036 में 17.1% हो जाएगी।

इसप्रकार मोटे तौर पर यदि देखें तो 15 साल की इस अवधि में जनसंख्या में बुजुर्गों का अनुपात दक्षिण में 6-7% बढ़ जाएगा जबकि उत्तर में यह लगभग 3-4% होगा। वैसे एक बात गौर करने लायक है कि अधिकांश दक्षिण भारतीय राज्य दुनिया के विकसित देशों की प्रजनन स्तर तक पहुंच गए हैं। इसके अलावा, भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा 2016-19 के लिए एकत्र किए गए उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, आंध्र प्रदेश में जीवन प्रत्याशा 69.1 वर्ष, केरल में 71.9 वर्ष और तमिलनाडु में 71.4 वर्ष थी। केवल कर्नाटक की जीवन प्रत्याशा दर राष्ट्रीय औसत से थोड़ी कम यानि 67.9 थी।

वहीं, एक समस्या यह है कि भारत ने अपनी प्रजनन दर बहुत तेजी से कम की है। जहां प्रति महिला छह बच्चों से घटकर दो या एक बच्चे पर आने में फ्रांस को 285 साल लगे, इंग्लैंड को 225 साल लगे, किंतु भारत को इस काम में महज 45 साल लगे। हालांकि, चीन ने इससे भी कम समय में जनसंख्या को नियंत्रित किया, लेकिन वहां ऐसा अत्यंत कठोर और दंडात्मक प्रावधानों के चलते संभव हो सका।

त्योहारी सीजन में खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता दरकिनार

मंहगे दामों में मिलावटी मिठाई व खाद्य वस्तुएं खरीद कर बिमारी मोल खरीदने जैसा हो रहा महसूस

फूड सेफ्टी अधिकारी व जिला प्रशासन के आदेश धराशाई

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। दीपावली त्योंहार के नजदीक आते ही बाजार में बडे स्तर पर मिलावटी मिठाई का कारोबार बढता जा रहा है। त्योंहारी सीजन में मिठाई निर्माता गोदामों में इस मिठाई को तैयार कर मिष्ठान भंडार की दुकानों पर सजाने लगे हैं। जिसके सेवन से स्वास्थ पर बुरा प्रभाव पडने की अधिक संभावना रहती है। खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता को दरकिनार कर दुकानदार महंगे दामों पर मिलावटी मिठाई बेच रहे हैं। फूड सेफ्टी अधिकारी तथा जिला प्रशासन के आदेश उनके सामने धराशाई हो रहे हैं। देखा जाए तो बाजार में अकेले मिलावटी मिठाई ही नहीं बल्कि अन्य निम्न स्तर की खाद्य वस्तुओं का उपयोग भी दिनोदिन बढ रहा है। प्रबुध व्यक्ति एडवोकेट मनोज शर्मा, सतीश भाटोटिया, वीरेंद्र सिंह, सत्यवीर सिंह रामबास, मोती लाटा खेडी ने बताया कि मिलावटी मिठाई की तर्ज पर देश-प्रदेश में फास्ट फूड व जंक फूड का प्रचलन भी दिनोंदिन बढता जा रहा है। इसका व्यवसाय करने वाले लोग भले ही आर्थिक रूप से फल-फूल रहे हों लेकिन इसका इस्तेमाल करने वाले व्यक्तियों के स्वास्थ पर बुरा प्रभाव पड रहा है। फास्ट फूड में शामिल पीजा, बर्गर, चाऊमीन, गोलगप्पे, दहीभल्ले, छोले-भटूरे, सैंडविच, पनीर-कुलचे इत्यादि की ओर बच्चे से लेकर जवान तक बहुत आकर्षित हो रहे हैं। सडक किनारे धूल-मिट्टी तथा मच्छर-मक्खियों के चंगुल में फंसे इन खाद्य पदार्थों को चटखारे लेकर खाया जा रहा है। जबकि इसके सर्वाधिक दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। लैब टेस्टिंग में भले ही इन खाद्य पदार्थों के सभी नमूने फेल हो जाएं लेकिन 5 साल तक के बच्चे से लेकर 35 वर्ष तक के युवक-युवतियों की नजरों में वे पूर्णरूप से पास हैं। ये खाद्य पदार्थ पैसे खर्च कर बिमारी मोल खरीदने जैसे हैं। कनीना सब डिवीजन के विभिन्न गावों एवं शहर में मिठाई एवं फास्ट फूड के करीब 500 बूथ संचालित हैं जबकि जिलेभर में इनकी संख्या ढाई हजार आंकी गई है। जिनके माध्यम से प्रतिदिन लाखों रूपये का कारोबार होता है। क्या बच्चे, क्या बडे सभी की ओर से बडे चाव के साथ मुंह मांगे दाम में ये फूड खाया जाता है। आजकल इसकी बिक्री ऑनलाईन भी होने लगी है। जिससे बची-खुची गुणवत्ता भी तार-तार हो रही है।

खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता की जिम्मेवारी सरकार की

विनोद कुमार भोजावास, सुनील कुमार, राजीव यादव का कहना है कि देश में लगभग सभी कायदे-कानून मानव जाति के कल्याण के लिए बने हैं। इनके साथ कोई खिलवाड करता है तो उसनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि

आमजन के स्वास्थ की रक्षा करने की सरकार व स्वास्थ विभाग की अहम जिम्मेवारी बनती है। जो समय-समय पर ऐसे बूथों पर जाकर उसकी गुणवत्ता की जांच कर स्वच्छता का अवलोकन करें ओर संदेहजनक व दूषित खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर लैब में जांच करवाएं। लैब में सैंपल फेल होने पर दुकानदार के खिलाफ हत्या जैसी धारा के तहत केस दर्ज किया जाए। सख्ती बरतने के साथ ही आमजन की सुरक्षा बनी रह सकती है।

मिलावटी मिठाई तकथा फास्ट फूड सेवन से हो सकती हैं कैंसर जैसी बिमारी

इस बारे में नागरिक अस्पताल नारनौल में कार्यरत डॉ.दिनेश कुमार ने बताया कि मिलावटी मिठाई तथा फास्ट फूड का इस्तेमाल स्वास्थ पर बहुत बुरा प्रभाव डालता है। उनकी राय में दूषित मिठाई एवं फास्ट फूड खाने से घर के खाने की आदत छूट जाती है वहीं ये भोजन नियमित लेने से अपच, गैस बनने सम्बंधी समस्या, लिवर को कमजोर करने, मधुमेह, बीपी, बवासीर, हार्ट प्रोब्लम, कैंसर, आतों की सफाई न होने देने की समस्या, दांत-मसूडों के खराब होने की समस्या तथा त्वचा रोग सम्बंधी विकार उत्पन्न हो जाते हैं। इम्युनिटी घट जाती है तथा मोटापा बढने लगता है। इस प्रकार की मिलावटी मिठाई तथा फास्ट फूड के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

क्या कहते हैं फूड सेफ्टी अधिकारी

इस बारे में फूड सेफ्टि अधिकारी डॉ.राजेश वर्मा ने बताया कि फूड सेफ्टि के अंतर्गत दुकानदारों का लाइसेंस रजिस्ट्रेशन जरूरी है। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की देखरेख में फूड सेफ्टि एक्ट लागू है। दूध व मिठाई विक्रेताओं को अपनी दुकानों का पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। खाद्य पदार्थों के निर्माता, पैकर्स,होल सेलर्स,निर्यात-आयात करने वाले, होटल-रेस्टोरेंट, क्लब,कैंटीन, मिठाई, आइसक्रीम सहित ऐसे दुकानदार जो परिवहन एवं भंडारण करने वाले हैं। वे सभी इस एक्ट के दायरे में आते हैं। खाद्य पदार्थों में मिलावट करने तथा एक्सपायरी डेट के बाद सामान बेचे जाने तथा फास्ट फूड की निम्न गुणवत्ता वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। उनके पास महेंद्रगढ, रेवाडी, पलवल तथा झज्जर जिले की जिम्मेवारी है। फिर भी हाल ही में कनीना से तीन मिठाई की दुकानों से खाद्य वस्तुओं के सैंपल एकत्रित कर जांच के लिए लैब में भेजे गए हैं। उनकी टीम की ओर से शीघ्र ही मिठाई तथा फास्ट फूड के नमूने लिए जायेंगें। आमजन के स्वास्थ से खिलवाड नहीं होने दिया जाएगा।

शपथ लेते ही आफताब ने सीएम को नूंह की मांगों को लेकर सौंपा पत्र, मुख्यमंत्री ने दिया आश्वासन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। नूंह विधानसभा से तीसरी बार और लगातार रिकॉर्ड दूसरी बार विधायक बनने के बाद कल आफताब अहमद ने एक दिवसीय विधानसभा सत्र में शपथ लेने के तुरंत बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलकर नूंह जिले व खासकर किसानों की मांगों के समाधान के लिए एक लिखित पत्र सौंपा। विधायक आफताब अहमद ने मांग करते हुए कहा कि इस बार मानसून में अत्याधिक बारिश के कारण पिछली खरीफ की फसल खराब हो गई और अब जल मग्न खेतों के कारण आने वाली रबी की फसल भी खतरे में पड़ गई है। दर्जनों गांवों में खेतों में अभी भी जल भराव होने के कारण अगली फसल बुवाई में दिक्कतें पेश आ रही हैं जिससे किसानों को गंभीर आर्थिक संकट के दौर से गुजरना पड़ रहा है। इस मामले को विधायक ने जिला प्रशासन नूंह के समक्ष बीते कुछ समय में कई बैठकों में उठाया था, कुछ जल निकासी तो हुई लेकिन अभी भी काफी जगह जल भराव की स्थिति है। उन्होंने नूंह जिले में विशेष गिरदावरी कराकर किसानों की अत्याधिक बारिश से खराब हुई फसल के नुकसान का आंकलन कराकर उन्हें नुकसान अनुरूप तत्काल मुआवजा दिये जाने के लिए लिखा है।

विधायक आफताब अहमद ने पत्र में अत्याधिक प्रभावी गांवों जैसे दुबालू, गांगोली, किरा, छपेड़ा, छछेड़ा, आलदूका, बैंसी, सूडाका, गोलपुरी, कैराका, नौसेरा, कोंतलाका, कमरचंदका, जयसिंहपुर, बीबीपुर, उजिना, संगेल, आकेड़ा, कोटला, खेडला नूंह, नूंह शहर, ढेंकली, बझेड़ा, घासेड़ा, टाई, मछरौली, मालब, दिहाना, चंदेनी, मुरादबास, रिठौड़ा सहित अन्य नूंह जिले के गांवों में तत्काल रूप से पानी निकासी व्यवस्था की मांग की है। विधायक आफताब अहमद ने कब्रिस्तान, श्मशान आदि जगहों का निरीक्षण कर जल निकासी सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई है। उन्होंने जल मग्न इलाकों में स्वास्थ्य विभाग की सहायता से पानी जमा होने के कारण यहां बीमारियों को ना पनपने देने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा है। विधायक ने किसानो को पर्याप्त डीएपी खाद, समय पर सिंचाई पानी, बिजली और बीज मुहैया कराने के लिए कहा है। इसके अलावा उन्होंने 2022 की रबी फसल खराब होने के नूंह जिले के लंबित मुआवजे को किसानों को तत्काल प्रभाव से बांटने का प्रबंध करने की मांग रखी है। किसानों की मांगों को प्रमुखता से उठाने के साथ-साथ विधायक आफताब अहमद ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज की वयवस्था में व्यापक सुधार, स्कूल में शिक्षकों की कमी पूरी करने, राष्ट्रीय राजमार्ग 248 ए के चौड़ीकरण आदि के लिए कहा है। मुख्यमंत्री ने विधायक आफताब अहमद को आश्वासन दिया कि तत्काल प्रभाव से उनकी मांगों का संज्ञान लेकर समाधान किया जायगा।

दिहाना गांव की शहनाज को दहेज लोभियों ने उतारा मौत के घाट

शहनाज के ससुराल वाले परिजनों पर बना रहे हैं फैसले के लिए दबाव।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज में रखा।

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। दहेज के भूखे मौसिम व उसके परिवार के लोगों ने एक बार फिर से विवाहिता की जान ले ली। दिहाना गांव की बेटी शहनाज की शादी 26 सितंबर 2021 को नूंह जिले के तावडू खंड के गांव चिलावली में मुस्लिम रीति रिवाज के हिसाब से की गई थी जिसमें शहनाज के परिवार वालों ने हैसियत के हिसाब से दान दहेज भी दिया था लेकिन शादी के अगले दिन से ही शहनाज को उसके पति मौसिम के द्वारा मार पिटाई करने तथा दहेज में क्रेटा गाड़ी नहीं देने का सिलसिला शुरू हो जाता है।

जिसकी जानकारी शहनाज अपनी मां को देती है लेकिन मां बेटी के घर बसाने के लिए सब बातों को छुपा लेती है और कुछ और दहेज देने का सिलसिला शुरू कर देती है लेकिन दहेज के लोभी मौसिम की डिमांड बढ़ती जाती है और आखिर में वह शहनाज को दहेज के लालच में मौत के घाट उतार देता है।

मृतिका शहनाज के भाई अब्दुल हन्नान,अब्दुल मन्नान व चाचा हाजी बशीर ने बताया कि शादी के बाद से ही शहनाज के ससुराल में उसके साथ मार पिटाई करते थे तथा दहेज के लिए उसे परेशान करते थे।

अभी डेढ़ साल पहले इसी बात को लेकर पंचायत भी हुई थी जिसमें उनका व्यवहार ठीक नहीं था। मृतका के भाई का कहना है की शादी के बाद से सिर्फ एक बार ही शहनाज के ससुराल वालों ने उसे मायके के लिए भेजा था।

अब्दुल मन्नान ने बताया कि उसकी बहन शहनाज के पति के द्वारा

फोन किया जाता था कि दहेज में क्रेटा गाड़ी व 5 लाख नकदी नहीं दिए हैं इस बात को लेकर वह फोन किया करता था।

उन्होंने कहा कि 25 तारीख सुबह 7:00 बजे हमें सूचना मिली कि आपकी बहन की मौत हो गई है जब हम गांव में पहुंचे तो वहां पर भी शहनाज के ससुराल वालों ने शव को नहीं ले जाने दिया और गाली गलौज करने लगे।

जिसकी सूचना पुलिस को दी गई तथा पुलिस की सहायता से शहनाज के शव को लेकर आए हैं। शहनाज के परिजनों का कहना है कि उन्हें न्याय चाहिए जिन लोगों ने उनकी बहन की हत्या की है उनको सजा मिलनी चाहिए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए तावडू सदर थाने में 305 नंबर पर मामला दर्ज कर लिया गया है जिसमें 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

वही इस पूरे मामले को लेकर जब पुलिस से बात करनी चाहिए तो उन्होंने मीडिया के कैमरा पर ना बोलते हुए कहा कि शिकायत मिल गई है मामला दर्ज कर लिया गया है पोस्टमार्टम के लिए शव को रखा हुआ है। पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा और आगे की कार्रवाई जारी है।

दिवाली मिलन समारोह

हरियाणा मीडिया वेलफेयर क्लब ने धूमधाम से मनाया दिवाली मिलन समारोह। फोटो— समाचार गेट

बचपन में देखा सपना हुआ साकार, सिवानी की बिटिया बनी वायु सेना में लेफ्टिनेंट

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी मंडी। सिवानी उपमंडल की पहली बेटी ने वायु सेना में परचम लहराकर लेफ्टिनेंट पद हासिल किया है। प्रिया दलाल ने केवल पद ही हासिल नहीं किया बल्कि सिवानी उपमंडल का नाम रोशन किया है। गौरतलब है कि सिवानी के वार्ड नंबर सात निवासी बिजनेसमैन मुकेश दलाल के तीन बच्चों में सबसे छोटी लड़की प्रिया दलाल ने बचपन में ही सपना देखा था कि वह सेना में जाकर देश सेवा करेगी ।प्रिया दलाल ने ये साबित कर दिया की लड़की लड़को से कम नहीं हैं ।प्रिया दलाल के पिता मुकेश दलाल ने बताया कि इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार और समाज को ही नहीं बल्कि पूरे उपमंडल को गर्व होगा ।प्रिया दलाल ने भारतीय वायु सेना में बतौर लैफ्टिनेंट चयनित होकर यह साबित कर दिया है कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पिछड़े क्षेत्र की बेटियां हर वो मुकाम हासिल कर सकती हैं, जो बच्चे शहरी सुविधा संपन्न शिक्षण संस्थानों में पढ़कर भी नहीं कर पाते हैं ।प्रिया दलाल के दादा हरियाणा सहकारिता समिति में सचिव पद से सेवानिर्मित कर्ण सिंह दलाल और पिता मुकेश दलाल एक बिजनेसमैन है व माता सरोज दलाल नगर पालिका में पार्षद हैं ।प्रिया दलाल ने कृष्णा प्रणामी पब्लिक स्कूल सिवानी से 10वीं और जमा दो करने के बाद अप्रैल में एनडीए की परीक्षा पास की ।वीरवार को उनका चयन भारतीय वायु सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर हो गया। पूर्व वित मंत्री जेपी दलाल ,लोहारू से निर्वाचित विधायक राजबीर फरटिया और अन्य गणमान्य लोगों ने बेटी की उपलब्धि पर बधाई दी। उनके घर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

खाते में पैसे भेजने के बहाने हैकर्स ने महिला के खाते से उडाए 70 हजार

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। दीपावली त्योंहार पर साइबर हैकर्स आमजन को नए-नए तरीके खोजकर अनजान उपभोक्ताओं को अपने जाल में फंसाकर खाते से रूपये उडा रहे हैं। इसी तरह का एक मामला कनीना के वार्ड 3 की महिला के साथ घटित हुआ है। पीडित महिला रौंजता ने कनीना शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में कहा कि उसके फोन पर अज्ञात नम्बर से कॉल आई जिसके माध्यम से राजेंद्र सिंह नामक व्यक्ति ने महिला को विश्वास में लेकर पैसे भेजने के बहाने उसके बैंक खाता नम्बर ले लिए। उसके बाद महिला के मोबाईल फोन पर 20 हजार रूपये मिलने का संदेश आया। उसके बाद 50 हजार रूपये और भेजे जाने का संदेश मिला। बाद में उसने ये रूपये वापिस भेजने को कहा। महिला ने अपने खाते से उपरोक्त पैसे वापिस भेज दिए। उसके बाद महिला ने दो बार फोन पर काल की तो कोई जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि झांसे में देकर आरोपी व्यक्ति ने उनके साथ फ्राड किया है। थाना इंचार्ज रतन सिंह ने बताया कि साईबर फ्राड करने के आरोपी व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

कनीना मंडी में शनिवार को 85 किसानों से 2082 क्विंटल बाजरा खरीदा

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना मंडी में शनिवार को 85 किसानों से 2082 क्विंटल बाजरे की खरीद की गई। मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह तथा हैफेड के खरीद अधिकारी रिषी शर्मा ने बताया कि अब तक 263056 क्विंटल बाजरे की खरीद की जा चुकी है जबकि 196094 क्विंटल की खरीद की जा चुकी है, बाजरे का उठान कर पलवल व जींद के गोदामों में भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि रविवार को बाजरे की खरीद नहीं की जाएगी। ईधर खरीद ई-खरीद पोर्टल से गेट पास लेकर किसान कनीना-अटेली मार्ग स्थित कनीना की नयी आनाज आनाज मंडी चेलावास में पंहुच रहे हैं। जहां हैफेड की ओर से 2625 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरे की खरीद की जा रही है। किसानों के रबि फसल बिजाई में जुटने पर बाजरे की आवक कम होने लगी है। इस मौके पर मंडी सुपरवाइजर सतीश कुमार, राधेश्याम शर्मा, मनीष गुप्ता, अशोक कुमार, संदीप, बंटी, आदेश कुमार, सतीश कुमार, नरेश कुमार उपस्थित थे।

ट्राला-बाइक की टक्कर में एक की मौत दो घायल

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-रेवाड़ी रोड स्थित गाहड़ा मोड़ के समीप ट्रॉले व बाइक की टक्कर से घटित सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए। बीती रात्रि घटित इस हादसे में तीन युवक बाइक पर सवार होकर जा रहे थे जिसे ट्राले ने टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार तीनों युवक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें राहगीरों की मदद से उपनागरिक अस्पताल कनीना में दाखिल करवाया गया जहां चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया जबकि दो अन्य को प्राथमिक उपचार देकर हायर सेंटर रेफर कर दिया मृतक युवक की पहचान मोनु, 23 वर्ष वासी मुडायन के रूप में हुई है वही योगेश व नितिन वासीयान कोटिया घायल हो गए पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर हादसे के आरोपी ट्राला चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

अगर बच्चा होमवर्क न करे तो करें बातचीत

अभिभावकों को अक्सर लगता है कि बच्चे स्कूल में अच्छा करें यह उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। यह जिम्मेदारी चिंता में तब्दील हो जाती है। आपके विचार बच्चे के बिगड़ते भविष्य तक भी पहुंच जाते हैं। और ऐसा न हो इसके लिए सही तरीके से किया गया होमवर्क पहला कदम नजर आने लगता है।

इस कारण आप बच्चे को बार बार होमवर्क करने के लिए कहते हैं। उसकी नोटबुक देखकर जानने की कोशिश करते हैं आखिर आज का काम क्या है। कुछ समझ आता है कुछ नहीं समझ पाते। जानिए आखिर कैसे आप बच्चे को करा सकते हैं होमवर्क आसानी से और डाल सकते हैं उनके कुछ बहुत अच्छी आदतें डालें।

बच्चे के साथ बैठिए

अपने बच्चे के साथ बैठिए और उसके साथ अपनी आगे आने वाले साल के विषय में बातचीत कीजिए। बेहतर होगा एकेडिमिक ईयर की शुरूआत में ही प्लान बन जाए ताकि आपके और बच्चे के पास भरपूर वक्त और मौका रहे। ऐसी इच्छाएं ही रखिए जो हो सकती हैं। जरूरत से अधिक अपेक्षाएं बच्चे पर अतिरिक्त मानसिक बोझ डाल सकती हैं। अपने बच्चे के कमजोर क्षेत्रों को पहचानें। उसका पिछले साल का रिपोर्ट कार्ड और उसका अनुभव इसमें आपकी मदद करेगा। इस हिस्से पर आपको और बच्चे को अधिक काम करना है।

दिन के घंटे बांटिए आपके बच्चे की पिछले साल भी कुछ दिनचर्या रही होगी। इस बार टाइमटेबल में उन गल्तियों को जगह न दें जो पिछले साल परेशानी का कारण बन गईं थीं। हो सकता है पिछले साल बच्चे का सोने और होमवर्क का समय एक ही हो ऐसे में टीवी के टाइम में कटौती कर थोड़ा पहले होमवर्क करना समझदारीभर होगा।

होमवर्क को रोचक बनाने की कोशिश करें क्या आपका बच्चा पढ़ने से जी चुराता है? ऐसे में आप दूसरे बच्चों के उदाहरण दे देकर उसे इंस्पायर करने की कोशिश करने में उसके मन में जलन और असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। बच्चा न पढ़ने के बहाने ढूंढ़ने लगता है। बच्चे को दूसरे बच्चे के उदाहरण देने के बदले, पढ़ाई को खेल खेल में सिखाने की कोशिश करें। ऐसे नए तरीके खोजने की कोशिश करें जिसमें बच्चे का मन लगे। आप अपने बच्चे को सबसे बेहतर जानते हैं और आप ही उसकी पसंद की एक्टिविटी आसानी से खोज सकते हैं।

होमवर्क प्लान का आंकलन करें एकेडमिक ईयर की शुरूआत में बनाया गया प्लान हो सकता है सही न हो। इस समस्या के उपाय के तौर पर बीच बीच में इस प्लान का मूल्यांकन करें। अपने बच्चे से सलाह मशवरा करें और अगर जरूरी लगता है तो इसमें बदलाव अवश्य करें।

बच्चों को भी काम की अधिकता इतनी होती है कि अगर सही टाइमटेबल मैंटेन नहीं किया जाए तो काम इकट्ठा हो जाता है और समस्या बहुत बढ़ जाती है। होमवर्क सही तरीके से होता रहे इसके लिए जरूरी है कि आप टाइमटेबल फॉलो होने पर ध्यान दें।6. स्कूल के बाद दें आधे घंटे का ब्रेक स्कूल से लौटने के बाद बच्चे को आधे घंटे का ब्रेक दें। इस दौरान बच्चा न तो टीवी देखें, न इमेल चेक करें और न ही वीडियों गेम्स खेलना शुरू करे। अगर बच्चा इन सब में लग जाता है तो वह आधे घंटे के बाद उठने से रहा। बजाय रात में होमवर्क के बच्चे को दिन में अधिकतर काम निपटा लेने के लिए प्रेरित करें। रात में घर के सभी सदस्य घर पर होने से बच्चे का मन टीवी और सभी के साथ बैठने का रहता है। ऐसे में अकेले बैठकर पढ़ना मुश्किल काम है।

बच्चों को ज़िम्मेदार भी बनाते हैं पेट्स

आजकल एकल परिवार हैं। ऐसे में बढ़ती महंगाई और खर्चों के कारण अब माता-पिता दोनों काम करते हैं और इस कारण उन्हें ज्यादातर समय घर से बाहर ही रहना पड़ता है। ऐसे में देखा गया है कि बच्चे, विशेषकर अकेला बच्चा, खुद को अकेला और उपेक्षित महसूस करता है। ज्यादातर मामलों में अभिभावक अपने बच्चों के साथी के तौर पर पालतू जानवरों पसंदीदा (पेट्स) को रखते हैं।

एक पालतू जानवर बच्चे के भाई-दोस्त या परिवार के सदस्य की जगह नहीं ले सकता, पर यह बच्चे के खालीपन को जरूर भर सकता है। बच्चा इनके साथ खेलते हुए कई चीजें सीखता है।

ज्यादातर अभिभावक अपने बच्चों को मजबूत बनना सिखाते हैं। लेकिन जब एक बच्चा घर में किसी पेट्स के साथ बड़ा होता है तो वह ज्यादा संवेदनशील होना सीखता है। वह इनके बीमार होने पर दर्द समझता है।

पेट्स के साथ वक्त बिताने का एक अन्य फायदा यह होता है कि बच्चे ज्यादा सतर्क रहना सीख जाते हैं। वह जान जाते हैं कि कब उसे भूख लगी है।

पालतू जानवरों की देखभाल करते वक्त केयरिंग, संवेदनशील और चौकन्ना रहने की जरूरत होती है और पेट्स के साथ वक्त बिताते हुए बच्चे कम उम्र में ही इन खूबियों को अपने अंदर ढाल लेते हैं।

पेट्स के साथ बड़े होने का एक अन्य फायदा है कि इससे बच्चे जिम्मेदार बनना सीखते हैं।

पेट्स का साथ बच्चों को जिम्मेदार बनना सिखाता है क्योंकि वह अपने प्यारे पेट्स की सभी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। यदि बच्चे को उसके पेट्स के खाने, घुमाने और डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लेने जैसी जिम्मेदारी दे दी जाएं, तो वह अपने काम को सही तरीके से अंजाम देते हैं।

बच्चों को जिंदगी और मौत की अवधारणा के बारे में समझाना बहुत मुश्किल होता है। पेट्स के साथ रखकर उन्हें जिंदगी और मौत के चक्र के बारे में बताया जा सकता है।

एक अभिभावक होने के नाते आप अपने पालतू जानवर के जीवन का हर पड़ाव देखते हैं। आप उसके बचपन से लेकर उसे बड़ा होते हुए और फिर वृद्धावस्था में जाने के बाद उसकी मृत्यु को भी देखते हैं। उनकी यह जिंदगी और मौत हमें इंसान के जीवन के पूरे चक्र के बारे में बताते हैं।

अपने साथ पेट्स को रखना अपने अच्छे दोस्त को घर पर रखने जैसा होता है। घर में रहने वाला पेट्स न सिर्फ घर में सभी के लिए तनाव दूर करने वाला बनता है बल्कि आपके बच्चों को रचनात्मक रूप से व्यस्त भी रखता है। पेट्स की देखभाल करते हुए बच्चे दयालु, निस्वार्थ, केयरिंग और जिम्मेदार बनना सीखते है। घर में रहने वाले पेट्स आपके बच्चे को सही और आसान तरीके से बेहतर इंसान बनने में मदद करते हैं।

बच्चों को लिखना ऐसे सिखायें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता-पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना-लिखना साथ-साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है।

यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यत- बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने-पढ़ने में जल्दबाज़ी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं। प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता-पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता-पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे।

शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग-अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता-पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए।

आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने-पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता-पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता-पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अत- वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है।

सेल्फी की आदत से बच्चों को दूर रखें

आजकल मोबाइल की पहुंच बच्चों ओर किशोरों तक भी है और वह भी सेल्फी लेने लगे हैं। वहीं इससे लगातार हादसे के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों को इस आदत से दूर रखना अभिभावकों का काम है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार हम एक ऐसे युग में रहते हैं जहां मोबाइल फोन हमारे जीवन में प्रवेश कर चुका है और वास्तविक मानवीय संपर्क लगभग न के बराबर है हालांकि प्रौद्योगिकी ने सभी के लिए जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी है। पिछले दो वर्षो में दुनिया भर में सेल्फी का बुखार बढ़ा है। सेल्फी को दुनिया भर में बड़ी संख्या में मृत्यु दर और महत्वपूर्ण बीमारी से जोड़ा गया है।

इस डिजिटल युग में, अच्छे स्वास्थ्य के लिए तकनीक का इस्तेमाल जरुरत से ज्यादा न हो। हम में से बहुत से लोग ऐसे उपकरणों के गुलाम बन गए हैं जो वास्तव में हमें फ्री टाइम देने और जीवन को बेहतर तरीके से अनुभव करने तथा लोगों के साथ अधिक समय बिताने के लिए बनाये गये थे। जब तक जल्द से जल्द एहतियाती उपाय नहीं किए जाते, यह लत लंबी अवधि में किसी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकती है।

मोबाइल फोन के अधिक उपयोग के कारण होने वाली समस्याओं को अभिभावक इस प्रकार रोकें।

बच्चों को सोने से 30 मिनट पहले किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का उपयोग न करने दें

हर तीन महीने में सात दिन के लिए फेसबुक से दूर रखें।सप्ताह में एक बार, पूरे दिन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग न करने दे।अपने मोबाइल फोन का उपयोग केवल तभी करें जब घर से बाहर हों।

अपने मोबाइल टॉक टाइम को दिन में दो घंटे तक सीमित करें। अपने मोबाइल की बैटरी को दिन में एक से अधिक बार रिचार्ज न करें। मोबाइल भी अस्पताल में संक्रमण का एक स्रोत हो सकता है, इसलिए, इसे हर दिन कीटाणुरहित किया जाना चाहिए।

बच्चों के टिफिन को ऐसे करें तैयार

बच्चे बहुत मूडी होते हैं। इसलिए इस बात का खास ख्याल रखें कि बच्चों का खाना इस तरह का हो, जिससे उन्हें अधिक से अधिक पौष्टिक तत्व मिल सकें और यह उनकी पसंद का भी होना चाहिये। अक्सर बच्चे फल और सलाद खाने में आनाकानी करते हैं, पर उन्हें विभिन्न शेप, साइज़ और डिज़ाइन में काटकर और कलरफुल लुक देकर खाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

इस प्रकार का खाना रखें

कुछ बच्चे खाने में अधिक समय लगाते हैं। इसलिए खाना स्वादिष्ट, साद व आसानी से खानेवाला होना चाहिए।

कई बार खाना टिफिन में इस तरह से पैक किया हुआ होता है कि बच्चे हाथ गंदे कर लेते हैं या पैकिंग खोल नहीं पाते हैं। इसलिए टिफिन में लंच इस तरह से पैक करें कि बच्चे आसानी से खोल व खा सकें.

सैंडविचेज़, रोल्स और परांठा को काटकर दें, ताकि बच्चे आसानी से खा सकें।

यदि लंच ब्रेक के लिए सेब, तरबूज़, केला आदि दे रही हैं, तो उन्हें छीलकर, बीज निकालकर और स्लाइस में काटकर दें।

टिफिन खरीदते समय ध्यान दें

टिफिन ख़रीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि टिफिन ऐसा हो, जिसे बच्चे आसानी से खोल व बंद कर सकें।

बच्चों को टिफिन में फाइड फूड न दें। यदि कटलेट, कबाब व पेटिस आदि दे रही हैं, तो वे भी डीप फाई किए हुए न हों।

लंच में खाने की अलग-अलग वेराइटी बनाकर दें। उदाहरण के लिए- कभी फ्रूट्स दें, तो कभी सैंडविच, कभी वेज रोल, तो कभी स्टफड परांठा।

बच्चों को टिफिन में फ्रूट्स व वेजीटेबल (ककड़ी, गाजर आदि) सलाद भी दे सकती हैं, लेकिन सलाद में केवल एक ही फल, ककड़ी या गाजर काटकर न दें, बल्कि कलरफुल सलाद बनाकर दें। बच्चों को कलरफुल चीज़ें आकर्षित करती हैं।

ककड़ी, गाजर और फल आदि को शेप कटर से काटकर दें। ये शेप्स देखने में अच्छे लगते हैं और विभिन्न शेप्स में कटी हुई चीज़ों को देखकर बच्चे खुश होकर खा भी लेते हैं।

सलाद को कलरफुल और न्यूट्रिशियस बनाने के लिए उसमें इच्छानुसार काला चना, काबुली चना, कॉर्न, बादाम, किशमिश आदि भी डाल सकती हैं।

ओमेगा3 को 'ब्रेन फूड' कहते हैं, जो मस्तिष्क के विकास में बहुत फायदेमंद होता है। इसलिए उन्हें लंच में वॉलनट, स्ट्रॉबेरी, कीवी फ्रूट, सोयाबीन्स, फूलगोभी, पालक, ब्रोकोली, फ्लैक्ससीड से बनी डिश दें।

मल्टीग्रेन ब्रेड रहेगी अच्छी

व्हाइट ब्रेड (मैदेवाली ब्रेड) स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है, इसलिए उन्हें व्हाइट ब्रेड की जगह मल्टीग्रेन ब्रेड से बने सैंडविचेज़ और रोल्स आदि दें। इन सैंडविचेज़ और रोल्स में सब्ज़ियां, सलाद और चीज़ आदि भरकर उन्हें अधिक हेल्दी और टेस्टी बना सकती हैं।

लंच में यदि डेयरी प्रोडक्ट देना चाहती हैं, तो चीज़ स्टिक्स/क्यूब्स और दही दे सकती हैं। यदि दही दे रही हैं, तो वह ताज़ा हो।

खाने के समय बच्चों को अधिक प्रोटीन की आवश्यकता होती है। इसलिए उन्हें लंच में उबला हुआ अंडा, पीनट बटर, दाल परांठा, काबुली चना, सोया, पनीर, बीन्स आदि से बना खाना दें हेल्दी लंच के साथ-साथ बच्चों को पानी की बॉटल भी दें।

मेल के जरिए राजकोट की 5 सितारा समेत 10 होटलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली

राजकोट । शहर की 5 सितारा होटलों समेत 10 होटलों को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप मच गया। ये धमकी ई मेल के जरिए दी गई होने की पता चला है। धमकीभरा मेल मिलने के बाद राजकोट पुलिस ने सभी होटलों की जांच शुरू कर दी है। साथ ही इस बात की भी जांच में जुट गई है कि मेल किसने और कहां से भेजा? बता दें कि हाल के दिनों में कभी होटल तो कभी फ्लाइट तो स्कूल को बम से उड़ाने देने की धमकिया मिल चुकी हैं। अब राजकोट की 10 होटलों को बम से उड़ा देने की धमकी मिली है। राजकोट की विख्यात इंपीरियल पैलेस, सयाजी होटल, सिजन्स होटल, होटल ग्रांड रेजंसी समेत होटलों को ई मेल के जरिए धमकी दी गई है। जिसमें लिखा गया है 'तुम्हारी होटल की प्रत्येक जगह पर बम रखा है, जो कुछ ही समय में ब्लास्ट होगा और अनेक निर्दोष लोगों की जान चली जाएगी। जितनी जल्द हो सके होटल खाली कर दो।' इन होटलों में देश-विदेश से राजकोट आनेवाले सेलिब्रिटी समेत लोग ठहरते हैं। धमकी मिलने की जानकारी पाते ही राजकोट पुलिस हरकत में आ गई है और बम निरोधक दस्ते के साथ सभी होटलों में जांच शुरू कर दी है। हांलाकि अब तक पुलिस कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

सैन्य वाहन के पलटने से बड़ा हादसा, एक जवान की मौत

कुलगाम। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार सुबह एक सैन्य वाहन के पलटने से बड़ा हादसा हुआ। दुर्घटना में एक जवान शहीद हुआ, जबकि 8 अन्य जवान घायल हो गए हैं। सेना के अधिकारियों के अनुसार, एक्सीडेंट के तुरंत बाद सभी 9 घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया, जहां एक जवान की उपचार के दौरान मौत हो गई। शेष 8 घायल जवानों का इलाज अस्पताल में जारी है। फिलहाल, दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों का कहना है कि हादसे की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। यह हादसा एक दुखद घटना है, जो जवानों के कठिन और जोखिमभरे कर्तव्यों की याद दिलाता है।

150 फीट के गहरे बोरवेल में 44 वर्षीय शख्स गिरा, मौत

दौसा। जिले के मंडावरी में एक व्यक्ति खेत में काम करते समय बोरवेल में गिर गया था। रेस्क्यू टीमों ने बचाव के तमाम प्रयास किए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। डीएसपी दिलीप मीना ने बताया कि 44 साल का हेमराज गुर्जर अपने गांव टोडा ठेकला में खेत पर बोरवेल में फंसी मोटर को निकालने की कोशिश कर रहा था, तभी अचानक मिट्टी का ढेर ढह गया और वह 150 फीट गहरे बोरवेल में गिर गया। मौके पर पहुंच पुलिस-प्रशासन ने बताया कि युवक करीब 32 फीट की गहराई पर अटका हुआ है। शाम चार बजे ग्रामीणों ने सूचना दी। उसके बाद रेस्क्यू टीम को मौके पर बुलाया गया। मौके पर जेसीबी से खुदाई शुरू की गई। जेसीबी मशीन, स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से हेमराज को बेहोशी की हालत में 15 फीट गहरे बोरवेल से बाहर निकाला गया और जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

समलैंगिक शादी की हवा आदिवासी लड़कियों तक पहुंची

अलीराजपुर । सोशल मीडिया के प्रभाव से अब आदिवासी भी नहीं बचे हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती और इश्क का बुखार अब आदिवासी क्षेत्रों तक पहुंच गया है। इस जिले की दो युवतियां समलैंगिक शादी के लिए अड़ी हुई हैं। अलीराजपुर के छोटी पोल गांव की दो युवतियां आपस में शादी करने के लिए अड गई हैं। इस समलैंगिक विवाह को लेकर दोनों लड़कियों ने चंद्रशेखर आजाद नगर थाने में जाकर सुरक्षा की मांग की है। दोनों लड़कियों की पहचान गुजरात में मजदूरी करने के दौरान हुई थी। उसके बाद से ही उनके संबंध गहरे हो गए। गुजरात से लौटने के बाद दोनों एक साथ रहने लगी। अब वह शादी करना चाहती हैं। गांव के लोग इस शादी के खिलाफ हैं। दोनों लड़कियों में से एक लड़की ने अपना हुलिया लड़के की तरह बना लिया है। थाना प्रभारी संतोष सिंह के अनुसार इसमें से एक लड़की नाबालिग है। अभी उन्हें समझाकर घर भेज दिया गया है। यह दोनों लड़कियां आपस में शादी के लिए अड़ी हुई है। इन्होंने गांव वालों से सुरक्षा की मांग की है।

योगी के कटेंगे तो बंटेंगे बयान के समर्थन में उतारा संघ, हिन्दु समाज की एकता जरुरी

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कटेंगे तो बंटेंगे बयान का समर्थन कर हिंदू समाज की एकता की आवश्यकता पर जोर दिया है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने मथुरा में आयोजित प्रेसवार्ता इस मुद्दे को उठाकर कहा कि समाज में जाति, भाषा और अन्य भेदभावों के चलते यदि हिंदू एकजुट नहीं होते, तब उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है। संघ के सरकार्यवाह होसबाले ने साफ किया कि यदि हिंदू समाज में बंटवारे का सिलसिला जारी रहा, तब यह आने वाले समय में बंटने और कटने की स्थिति को जन्म दे सकता है। उन्होंने कहा, हिंदू समाज की एकता लोक कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह एकता सभी को सुख प्रदान करेगी। वर्तमान में हिंदुओं को तोड़ने के लिए विभिन्न शक्तियाँ सक्रिय हैं, और हमें इसके प्रति सचेत रहना होगा। संघ के सरकार्यवाह से सवाल किया गया कि क्या संघ और भाजपा के बीच कोई खींचतान चल रही है, इस पर होसबाले ने कहा कि संघ एक सार्वजनिक संगठन है और उसका किसी राजनीतिक दल के साथ कोई विवाद नहीं है। उन्होंने कहा, हम भाजपा, कांग्रेस, उद्योगपतियों सभी से मिलते हैं। हमारा उद्देश्य समाज में नफरत का माहौल न बनाने देना है। होसबाले ने धर्मांतरण के मामलों और हाल ही में दुर्गा पूजा एवं गणेश विसर्जन के समय हुए हमलों की भी चर्चा की। उन्होंने हिंदू समाज से अपील की कि वे अपनी रक्षा करें और एकजुट होकर रहें। उन्होंने कहा, हिंदू समाज को संगठित रहना चाहिए ताकि वे अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें।

कांग्रेस नेता थरुर ने पहले पूछे तीखे सवाल, फिर बोले यही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लोकतंत्र की खूबसूरती के चर्चे पूरी दुनिया में सुनाई देते हैं। यहां के नेता आपस में खूब लड़ते हैं, विधानसभा में एक दूसरे के कपड़े फाड़ते नजर आते हैं लेकिन जब मामला किसी दूसरे देश का आता है तो सब मिलकर उसका मुकाबला करते हैं। यहीं भारत का मजबूत लोकतंत्र है। इसका एक उदाहरण हाल में दिखाई दिया। दरअसल, संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति के सामने विदेश सचिव विक्रम मिस्री के मौजूद थे। संसद की इस स्थायी समिति के अध्यक्ष कांग्रेस नेता शशि थरूर हैं। शशि थरूर तिरुवनंतपुरम से सांसद और वह पूर्व विदेश राज्य मंत्री हैं। शशि थरूर अंतरराष्ट्रीय मामलों के बड़े जानकार माने जाते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र में भी भारत के स्थायी प्रतिनिधि भी रह चुके हैं। एक बार उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद का चुनाव भी लड़ा था।

विदेश मामलों की स्थायी समिति ने इजरायल और फिलिस्तीन के बीच चल रहे संघर्ष और अन्य वैश्विक मसलों को लेकर सरकार के रुख को जानने के लिए मिस्री को बुलाया था। इस मीटिंग में शशि थरूर और समिति के सदस्यों ने मिस्री से तीखे सवाल किए। मिस्री ने भी सभी सवालों के विस्तार से जवाब दिए।

मिस्री के साथ सवाल-जवाब के बाद शशि थरूर ने एक ट्विट किया है। उन्होंने लिखा कि मिस्री के साथ सवाल-जवाब का दौर शानदार रहा। तमाम मुद्दों पर उन्होंने सरकार का पक्ष रखा। विदेश सचिव और भारतीय कूटनीति का धन्यवाद। विपक्ष के नेता होने के बावजूद शशि थरूर का देश के अधिकारियों की तारीफ करना काफी सुखद है। यही अपने देश के लोकतंत्र की खूबसूरती है। यही खूबसूरती हमें पाकिस्तान, चीन और अन्य देशों से अलग करती है। दरअसल, यह भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती है। यह संसदीय परंपरा की खूबसूरती है। तमाम मसलों पर लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों की समिति होती है। इस समितियों के पास बहुत शक्ति होती है। वे सरकार या देश के किसी भी अधिकारी या व्यक्ति को जवाब देने के लिए बुला सकती हैं। सरकार का यह दायित्व होता है कि इन समितियों को वह अपनी तमाम नीतियों की जानकारी दे। ये समितियां इन्हीं इनपुट्स के आधार समय-समय पर संसद को अपनी रिपोर्ट देती है। इन रिपोर्ट में वह विभिन्न मसलों पर सरकार को जरूरी कदम उठाने का भी सुझाव देती है।

बिश्नोई समुदाय ने सलमान-सलीम खान का पुतला जलाया... माफी मांगे वरना

मुंबई। लॉरेंस बिश्नोई गैंग अभिनेता सलमान खान के पीछे हाथ धोकर पड़ी है। बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। बीते दिनों लॉरेंस के कजिन ने कहा था कि बिश्नोई समाज लॉरेंस के साथ खड़ा हुआ है। इसी बीच अब बिश्नोई समुदाय ने सलमान-सलीम खान का पुतला जलाया है। उन्होंने सलीम खान के उस बयान पर नाराजगी जाहिर की है जिसमें उन्होंने कहा था कि काला हिरण शिकार मामले में उनका बेटा निर्दोष है। इसके बाद बिश्नोई समाज ने अपना विरोध दिखाकर अभिनेता और उनके पिता का पुतला जलाया। साथ ही सलमान खान काला हिरण शिकार मामले में माफी मांगने को कह दिया है। हाल ही में बिश्नोई समाज ने जोधपुर में विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान बिश्नोई समाज के लोगों ने बताया कि अगर सलमान ने काले हिरण का शिकार नहीं किया तब उनका केस लड़ने के लिए दिल्ली, मुंबई और जोधपुर से वकील क्यों बुलाए गए। उन्होंने सलमान के खिलाफ प्रदर्शन कर चेतावनी दी कि अगर सलमान माफी नहीं मांगते तब सनातन हिंदू समाज की ओर से आंदोलन किया जाएगा। बिश्नोई समाज ने कहा कि सलमान खान के पिता ने दावा किया है कि उनके बेटे ने काले हिरण का शिकार नहीं किया। हम उन्हें बताना चाहते हैं कि हम बिश्नोई हैं, हम किसी को यूं ही बदनाम नहीं करते। उन्होंने कहा कि सलमान खान इस तरह गलत बयान देकर लोगों को झूठ नहीं बोल सकते।

बता दें कि साल 1999 में रिलीज हुई फिल्म हम साथ साथ है की राजस्थान में शूटिंग हुई थी। शूटिंग के बाद सलमान और कुछ सितारों के ऊपर काले हिरण के शिकार का आरोप लगा था हालांकि इस मामले में भाईजान को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया है, हालांकि बिश्नोई समाज अब भी दबंग खान से नाराज है और वह चाहता है कि सलमान उनसे माफी मांगे।

गिरिराज सिंह के खिलाफ ओवैसी ने खोला मोर्चा, किशनगंज में किया परिवाद दायर

किशनगंज। अपने बयानों से सियासी चौपाल पर चर्चा में रहने वाले एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने अब केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ओवैसी की तरफ से किशनगंज कोर्ट में परिवाद दायर करने वाले वकील ने का कहना है की किशनगंज दौरे के दौरान गिरिराज सिंह ने जनसभा में भड़काऊ भाषण दिए और यहां की जनता की भावनाओं को आहत किया। आरोप लगाते हुए कहा है कि जनता की भावनाओं को चोट पहुंचाई है बल्कि हमारे हिंदू भाईयो को भड़काने का काम किया है। वकील ने बताया कि सैक्सन 196, 197, 199, 302 भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कराया गया है और अदालत के समक्ष वीडियो साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है। बता दें कि एआईएमआईएम पार्टी से जुड़े इम्तियाज आलम ने न्यायालय में परिवाद दायर किया है। शम्स आजाद ने कहा कि हिंदू स्वाभिमान यात्रा के दौरान सभा में मौजूद लोगों को भड़काने की नीयत से आपराधिक साजिश के तहत उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठ के साथ-साथ हमारी धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला बयान दिए थे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने रायपुर के जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

रायपुर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार सुबह राजधानी रायपुर में भगवान जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति मुर्मू शुक्रवार से छत्तीसगढ़ राज्य के दो-दिवसीय दौरे पर हैं। राज्य सरकार के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ने मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र जी और सुभद्रा जी की पूजा-अर्चना की और देशवासियों की खुशहाली, समृद्धि और प्रगति के लिए प्रार्थना की।

उन्होंने बताया कि उनके साथ राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के तीन साल बाद वर्ष 2003 में पुरी (उड़ीसा) के जगन्नाथ मंदिर की तरह भगवान जगन्नाथ मंदिर का निर्माण किया गया। मंदिर का मुख्य ढांचा ऊंचे चबूतरे पर बना है।

इतना ही नहीं अधिकारियों ने बताया कि मंदिर में उड़ीसा से लाई गई नीम की लकड़ी से बनी मूर्तियां स्थापित की गई हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद राष्ट्रपति भिलाई के लिए रवाना हुईं, जहां वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भिलाई के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगी। अधिकारियों ने बताया कि मुर्मू बाद में राजधानी रायपुर लौटेंगी और नवा रायपुर में पंडित दीनदयाल मेमोरियल स्वास्थ्य विज्ञान और आयुष विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

सीट शेयरिंग पर भी उठाए सवाल: महाराष्ट्र में टिकट वितरण पर खुश नहीं हैं राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी महाराष्ट्र में सीट बंटवारे से खुश नहीं हैं और न ही उम्मीदवारों के चयन को लेकर वे खुश दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस मुद्दे को लेकर वे नाराजगी जता चुके हैं। बता दें कि हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस फूंक-फूंककर कदम रख रहे हैं। यही वजह है कि महाराष्ट्र में उम्मीदवारों के चयन में वह निजी तौर पर शामिल हैं। राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों के चयन से नाखुश बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक हाल ही में उम्मीदवारों के चयन के लिए हुई एक बैठक में उन्होंने अपनी नाखुशी जताई।

बता दें कि हाल ही में संपन्न हुए हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पार्टी को उम्मीद थी कि वह यहां पर सत्ता हासिल करेगी, लेकिन आखिर में हार का सामना करना पड़ा। बाद में राहुल गांधी ने यहां पर पार्टी के प्रदर्शन पर चिंता जताई थी। साथ ही उन्होंने गुटबाजी को लेकर भी नाराजगी जताई थी। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों पर 20 नवंबर को चुनाव होंगे और 23 नवंबर को परिणाम घोषित किए जाएंगे। महाविकास अघाड़ी गठबंधन में कुल 288 विधानसभा सीटों में से 255 पर समझौता हुआ है। उद्धव सेना, कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी 85-85 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सभी दलों ने अपनी-अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी है। उद्धव सेना ने 65, कांग्रेस ने 48 और शरद पवार की एनसीपी ने 45 सीटों पर नाम जारी किए हैं। हालांकि 18 सीटों पर अभी भी बात बन नहीं पाई है। इसमें सपा नेता और विधायक अबू आसिम आजमी भी कूद पड़े हैं। उन्होंने कहा है कि गठबंधन सपा को पांच सीटें दे नहीं तो वह 25 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। सपा महाराष्ट्र में एमवीए गठबंधन का हिस्सा है। महाराष्ट्र में अभी तक कांग्रेस ने अपने हिस्से की 85 में से 48 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। महाविकास अघाड़ी के साथ सीट शेयरिंग में उसे यह सीटें हासिल हुई हैं। राहुल गांधी स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा कांग्रेस इलेक्शन कमेटी को दिए गए नामों से संतुष्ट नहीं हैं। शुक्रवार को मीटिंग के

दौरान उन्होंने इस बात को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सुझाए गए सभी नाम कुछ महाराष्ट्र नेताओं के पसंदीदा लग रहे हैं। उन्होंने सीट बंटवारे के समझौते के तहत विदर्भ और मुंबई जैसे क्षेत्रों में उद्धव ठाकरे की शिवसेना को कांग्रेस की मजबूत आवंटित किए जाने पर भी सवाल उठाए।

ईरान पर इजराइली हमले के बाद पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव

नई दिल्ली। इजराइल ने शनिवार तड़के ईरान में हवाई हमले किए, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। वैसे तो इजराइल ने इस हमले को लेकर दावा किया है कि ये हमले इस महीने की शुरुआत में ईरान द्वारा दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों के जवाब में किए गए हैं, लेकिन यह सिलसिला अब आगे नहीं होगा कहना मुश्किल है। इस अस्थिरता की स्थिति के चलते तनाव बढ़ता जा रहा है। इजराइल द्वारा किए गए हवाई हमले में विस्फोटों की आवाजें ईरान की राजधानी तेहरान तक सुनी गईं, लेकिन अब तक इन हमलों से हुए नुकसान का आकलन सामने नहीं आ सका है। वहीं दूसरी तरफ इजराइल के सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि इन हमलों का मकसद ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना था। एक वीडियो संदेश में हगारी ने बताया कि 7 अक्टूबर से ईरान और उसके समर्थकों ने इजराइल पर कई बार हमले किए हैं, जिनमें कुछ हमले ईरान की धरती से भी हुए। उन्होंने कहा, 'दुनिया के अन्य संप्रभु देशों की तरह इजराइल को भी अपनी सुरक्षा का अधिकार है।'

कमजोर पड़ने से पहले बंगाल और ओडिशा दर्द दे गया दाना, बंगाल में चार लोगों की मौत

-ओडिशा में 1.75 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बर्बाद

भुवनेश्वर (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात दाना के शनिवार रात तक कमजोर होने की संभावना है, लेकिन इसके पहले दाना ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा में व्यापक नुकसान पहुंचाया है। मौसम विभाग के अनुसार, दाना के चलते पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्धमान, दक्षिण 24 परगना, कोलकाता और हावड़ा में चार लोगों की मौत हुई है।

ओडिशा में स्थिति थोड़ी बेहतर रही है, जहां किसी की जान नहीं गई, लेकिन तूफान और बारिश ने 1.75 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बर्बाद कर दी हैं। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने बताया कि तूफान के आने से पहले 8 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था।

साइक्लोन दाना का असर आंध्र प्रदेश, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में दिखाई दिया है। बिहार और झारखंड में बारिश जारी है, जबकि झारखंड में तापमान 6 डिग्री सेल्सियस गिर गया है। अगले 24 घंटों में बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में और बारिश का अनुमान है।

ओडिशा में सबसे अधिक नुकसान केंद्रपाड़ा, भद्रक और बालासोर में हुआ है। तेज हवाओं के कारण कई पेड़ उखड़ गए हैं और बिजली के खंभे टूट गए हैं, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई है। वहीं बंगाल के दक्षिणी हिस्से में भी भारी बारिश हुई, जहां कोलकाता में 24 घंटे में 4 इंच बारिश दर्ज की गई। बिहार में चक्रवात दाना का असर दिवाली तक जारी रहने की संभावना है। अगले कुछ दिनों तक राज्य के 19 जिलों में बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना है।

अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त ममता बनर्जी, पुलिस को दिए बड़े निर्देश, कहा- मैं सांप्रदायिक तनाव नहीं चाहती

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुलिस से राज्य में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने का आग्रह किया है। उन्होंने दावा किया था कि कुछ बदमाश आगामी काली पूजा, दिवाली और छठ पूजा समारोहों के दौरान अशांति पैदा करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि उन्होंने इसमें शामिल लोगों की पहचान उजागर नहीं करने का फैसला किया, लेकिन उन्होंने खुफिया प्रयासों को मजबूत करने और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की मौजूदगी बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। बनर्जी ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी उत्सव के माहौल का फायदा उठाकर अशांति पैदा न कर सके।

चक्रवात दाना से प्रभावित सात जिलों में स्थिति का आकलन करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से बात करते हुए उन्होंने सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, 'मैं बंगाल में सांप्रदायिक तनाव नहीं चाहती। पुलिस किसी भी उकसावेबाज के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी, लेकिन मैं मीडिया से आग्रह करती हूं कि इसे सनसनीखेज न बनाएं। कृपया जनता को भड़काने से बचें।' ओडिशा और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों में शुक्रवार को तूफान के गुजर जाने के बाद उड़ानें, रेलगाड़ियां और बस सेवाएं शीघ्र ही बहाल हो गईं, क्योंकि अधिकारी चक्रवात के कारण उत्पन्न व्यवधानों का आकलन करने और उन्हें दूर करने में लगे हुए थे। चक्रवात आधी रात के बाद धामरा और भीतरकनिका के बीच पहुंचा था।

बनर्जी ने बंगाल में चक्रवात दाना से संबंधित एक मौत की पुष्टि की और बताया कि लगभग 2.16 लाख लोगों को निचले इलाकों से निकाला गया है। स्थिति की निगरानी करने के लिए वहां रात बिताने के बाद, बनर्जी ने राज्य सचिवालय में एक समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि राहत सामग्री चक्रवात से प्रभावित सभी लोगों तक पहुंचे। बनर्जी ने कहा, 'इस प्राकृतिक आपदा में केवल एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है। वह व्यक्ति दक्षिण 24 परगना के पाथरप्रतिमा ब्लॉक में अपने निवास पर कुछ केबल से संबंधित काम करते समय मर गया। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। पोस्टमार्टम जांच से हमें स्पष्ट तस्वीर मिलेगी। यदि आवश्यक हुआ, तो हम (राज्य सरकार) परिवार की मदद करेंगे।'

भारत ने मांगा निज्जर का मृत्यु प्रमाण पत्र, कनाडा ने कर दिया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकी हरदीप सिंह की हत्या के मामले में कनाडा ने भारत से संबंध खराब कर लिए। वो आतंकी जो इस दुनिया में नहीं है इसके बाद भी कनाडा उसकी तरफदारी करने से बाज नहीं आ रहा है और लगातार झूठ बोल रहा है। पहले उसने बिना कोई सबूत दिए भारत पर निज्जर की हत्या करवाने का आरोप लगाया। इसके बाद जब भारतीय जांच एजेंसी एनआईए ने हाल ही में कनाडा से उसके मृत्यु प्रमाणपत्र की मांग की तो वह भी देने से इनकार कर दिया।

निज्जर की हत्या ने भारत और कनाडा के बीच एक कूटनीतिक विवाद को जन्म दिया। कनाडा ने भारतीय एजेंसियों की संलिप्तता का आरोप लगाया। भारत ने इस तुरंत खारिज कर दिया और कनाडा से सबूत की मांग की। यह विवाद हाल ही में तब बढ़ गया जब कनाडा ने निज्जर हत्या की जांच में वरिष्ठ भारतीय राजनयिकों पर इसमें दिलचस्पी लेने के आरोप लगाए। भारत ने उन राजनयिकों को वापस बुला लिया।

खास बात यह है कि जून 2023 में न्यूयॉर्क में पन्नू की जान लेने का प्रयास किया गया था। अमेरिका ने एक भारतीय अधिकारी की संलिप्तता का दावा किया। पिछले हफ्ते एक अनसील्ड आरोप पत्र से पता चला कि अमेरिका ने विकाश यादव के खिलाफ आरोप लगाया है। यादव को भारत की अनुसंधान और विश्लेषण विंग (रॉ) का पूर्व अधिकारी बताया गया है। सूत्रों का कहना है कि भारत के द्वारा की गई इसकी मांग पर कनाडाई अधिकारियों ने कुछ सवाल उठाए। कनाडा ने पूछा कि भारत को अपने नागरिक का मृत्यु प्रमाणपत्र मांगने का अधिकार क्यों होना चाहिए। एक अधिकारी ने कहा कि इसके बाद उन्होंने निज्जर का मृत्यु प्रमाणपत्र साझा करने से इनकार कर दिया।

बता दें कि हरदीप सिंह निज्जर भारतीय मूल का कनाडाई नागरिक था। जून में उसकी हत्या कर दी गई। निज्जर पर भारत में एनआईए द्वारा जांच किए जा रहे नौ मामलों में आरोप लगाए गए थे। एनआईए ने कनाडा से निज्जर के मृत्यु प्रमाणपत्र की इसलिए मांग की थी ताकि भारत की अदालतों में उसके खिलाफ जारी मामलों में कोर्ट को इस बात से अवगत कराया जाए। एनआईए को अभी तक एक और खालिस्तान समर्थक आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू (अमेरिकी नागरिक) के खिलाफ इंटरपोल का रेड-कॉर्नर नोटिस प्राप्त करने में सफलता नहीं मिली है। एनआईए पन्नू के खिलाफ खालिस्तान आतंक के छह मामलों की जांच कर रही है और उसने अब तक चंडीगढ़, अमृतसर और पठानकोट में उनकी तीन संपत्तियों को

आतंकवाद के आय के रूप में अटैच किया है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिक्स नेता लोकतांत्रिक, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं : पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स देश एक अधिक लोकतांत्रिक और बहु-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह बयान 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आखिरी दिन एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया। पुतिन ने कहा कि इस सम्मेलन में पारित कजान घोषणा पत्र भविष्य के लिए एक सकारात्मक दिशा देता है। इसमें यह दोहराया गया है कि सभी ब्रिक्स देश एक लोकतांत्रिक, समावेशी और बहु-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर आधारित हो। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने यह भी बताया कि ब्रिक्स सभी के लिए खुला है जो इसके मूल्यों को साझा करते हैं। सभी सदस्य देश बाहरी दबाव के बिना आपसी सहयोग से समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रूसी राष्ट्रपति ने पुष्टि की कि ब्रिक्स नेताओं ने ब्रिक्स के साझेदार देशों की सूची पर सहमति बनाई है। कुछ देशों ने इस संगठन में पूरी तरह से शामिल होने की इच्छा जताई है और अपनी प्रस्तावनाएं दी हैं। पुतिन ने यह भी बताया कि हालांकि ब्रिक्स देशों ने स्विफ्ट के विकल्प के रूप में कोई प्रणाली नहीं बनाई है, लेकिन वे राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग की दिशा में बढ़ रहे हैं। फिलहाल ब्रिक्स देशों के बीच रूस के सेंट्रल बैंक द्वारा विकसित फाइनेंशियल मैसेजिंग सिस्टम का उपयोग हो रहा है।

बढ़ते आतंकवादी खतरों के कारण तुर्की के हवाई अड्डे अलर्ट पर - मीडिया

इस्तांबुल, एजेंसी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, एक दिन पहले दिन अंकारा में आतंकवादी हमले में पांच लोगों की मौत और 22 घायल होने के बाद तुर्की ने गुरुवार को सभी हवाई अड्डों पर अलर्ट का स्तर बढ़ाकर ऑरेंज कर दिया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने तुर्की प्रसारक एनटीवी के हवाले से बताया कि नागरिक विमानन महानिदेशालय ने संभावित आतंकवादी खतरों के जवाब में सभी हवाई अड्डों पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने का निर्देश जारी किया है। इस निर्णय के बाद इस्तांबुल के दो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों, सबिहा गोकसेन और इस्तांबुल हवाई अड्डे पर सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। दोनों हवाई अड्डों ने अपनी वेबसाइटों पर यात्रियों को कड़ी सुरक्षा के कारण होने वाली देरी से बचने के लिए प्रस्थान के समय से कम से कम तीन घंटे पहले पहुंचने की सलाह दी है। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बुधवार को घोषणा की कि तुर्की की एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी तुसास पर घातक हमला संभवतः प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) द्वारा किया गया था। उन्होंने पुष्टि की कि दोनों हमलावर एक पुरुष और एक महिला मारे गए हैं। सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए तुर्की में विमानन में तीन अलार्म स्तर येलो, ऑरेंज और रेड हैं। येलो स्तर संभावित खतरों के कारण बढ़े हुए जोखिम का संकेत देता है, जिससे बिना किसी बड़े बदलाव के सुरक्षा उपाय बढ़ाए जाते हैं। रेड स्तर एक आसन्न खतरे के साथ एक गंभीर जोखिम का संकेत देता है, जिसमें निकासी, लॉकडाउन और व्यापक सुरक्षा उपायों जैसे आपातकालीन प्रोटोकॉल को लागू किया जाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के सर्वेक्षण में ट्रंप, हैरिस से मामूली बढ़त पर आगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर जारी एक सर्वेक्षण में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार और अपनी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस से मामूली बढ़त बनाए हुए हैं। अमेरिकी अखबार 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' द्वारा किए गए एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप, हैरिस से दो प्रतिशत अंक यानी 47 प्रतिशत से 45 प्रतिशत आगे हैं। 'सीएनबीसी ऑल-अमेरिका इकोनॉमिक सर्वे' के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से 48 प्रतिशत से 46 प्रतिशत की बढ़त बनाए हुए हैं, जो अगस्त से अपरिवर्तित है। समाचार चैनल ने बताया कि अमेरिका के अहम सात राज्यों में पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप हैरिस से 48 प्रतिशत से 47 प्रतिशत आगे हैं। अमेरिका के सभी प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सर्वेक्षणों पर नजर रखने वाले 'रियलक्लियरपॉलिटिक्स' के अनुसार, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रीय स्तर पर ट्रंप से 0.3 प्रतिशत अंकों की मामूली बढ़त बनाए हुए हैं। दूसरी ओर, देश के अहम सात राज्यों में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार 0.9 प्रतिशत अंकों से आगे हैं। ये अहम सात राज्य एरिजोना, नेवादा, विस्कॉन्सिन, मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, उत्तरी कैरोलाइना और जॉर्जिया हैं। इन राज्यों के बारे में माना जाता है कि यहां के मतदाताओं का रुझान बदलता रहता है। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान होगा।

कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप पर लोगों की मौलिक स्वतंत्रता छीनने का लगाया आरोप

पेंसिल्वेनिया, एजेंसी। राष्ट्रपति चुनाव में दो सप्ताह से भी कम समय बचा है। चुनाव प्रचार जोरों पर है। इसी क्रम में एक सभा को संबोधित करते हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा है कि वह सभी अमेरिकियों की नेता बनेंगी। जॉर्जिया में चुनाव प्रचार के लिए रवाना होने से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से बात करते हुए हैरिस ने कहा कि वह पुरुषों और महिलाओं को समान रूप से लोकतंत्र के भविष्य के बारे में अपनी चिंताओं के बारे में बोलते हुए देख रही हैं।

अमेरिका में दो सप्ताह से भी कम समय में चुनाव होने वाले हैं, जिसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरे कार्यकाल के लिए और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस व्हाइट हाउस में अपने पहले कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। कमला हैरिस ने कहा कि अमेरिकी एक ऐसा राष्ट्रपति चाहते हैं जो देश का नेतृत्व आशावादी तरीके से करे और उनके सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करे. उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर लोगों की मौलिक स्वतंत्रता छीनने का आरोप लगाया. सर्वेक्षणों में लैंगिक अंतर के मुद्दे पर उनके विचारों के बारे में पूछे जाने पर और उन्हें क्यों लगता है कि महिलाओं के बीच ट्रंप के मुकाबले उन्हें अधिक समर्थन प्राप्त है, हैरिस ने जवाब दिया कि मुझे आपके साथ ईमानदार होना होगा, यह वह नहीं है जो मैं अपनी रैलियों के संदर्भ में, समुदायों में और जमीन पर लोगों के साथ होने वाली बातचीत के संदर्भ में देखती हूं. मैं जो देख रही हूं वह यह है कि पुरुष और महिलाएं समान रूप से हमारे लोकतंत्र के भविष्य के बारे में अपनी चिंताओं के बारे में बात कर रहे हैं; इस तथ्य के बारे में बात कर रहे हैं कि वे एक ऐसे राष्ट्रपति चाहते हैं जो आशावादी होकर नेतृत्व करे और हमारे सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करे, चाहे वह किराने की कीमतों की बात हो या छोटे व्यवसायों में निवेश करना हो या घर का स्वामित्व हो. उन्होंने आगे कहा कि इसलिए, मैं वास्तव में उस तरह की असमानता नहीं देख रही हूं. और मेरा इरादा सभी अमेरिकियों के लिए राष्ट्रपति बनने का है. इसमें डोनाल्ड ट्रंप के कारण छीनी गई एक मौलिक स्वतंत्रता पर ध्यान देना शामिल है (एक महिला की अपने शरीर के बारे में निर्णय लेने की स्वतंत्रता) और, समान रूप से, अमेरिका में व्यक्तियों और परिवारों की आर्थिक जरूरतों को प्राथमिकता देना और वैश्विक मंच पर अपनी ताकत और स्थिति को बनाए रखने के संदर्भ में हमें क्या करना चाहिए. उन्होंने सीमा मुद्दे पर भी बात की और कहा कि अमेरिकी सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संसाधन लगाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है. हैरिस ने वचन दिया कि अगर वह निर्वाचित होती हैं तो वह द्विदलीय सीमा सुरक्षा विधेयक लाएंगी और उस पर हस्ताक्षर करके उसे कानून बना देंगी. जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके प्रशासन में दक्षिणी सीमा दीवार का निर्माण जारी रहेगा, तो हैरिस ने कहा कि मैं आपको बता दूंगी कि मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करने के लिए संसाधन लगाना है कि हमारी सीमा सुरक्षित है, यही कारण है कि मैं बहुत स्पष्ट रही हूं. मैं राष्ट्रपति के रूप में उस द्विदलीय सीमा सुरक्षा विधेयक को फिर से लाऊंगी और यह सुनिश्चित करूंगी कि इसे मेरे डेस्क पर लाया जाए ताकि मैं इसे कानून बना सकूं. उन्होंने आगे कहा कि अभी हमारे सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि डोनाल्ड ट्रंप उस बड़ी समस्या के समाधान के रास्ते में खड़े हो गए हैं, जो यह है कि अमेरिका में एक टूटी हुई आव्रजन प्रणाली है, और हमें इसे ठीक करने की आवश्यकता है. और हमारे पास उपकरण हैं, लेकिन हमारे पास इस चुनाव के दूसरे पक्ष में डोनाल्ड ट्रंप हैं, जो समस्या को ठीक करने के बजाय समस्या पर चलना पसंद करेंगे. मैं समस्या को ऐसे तरीके से ठीक करने का इरादा रखता हूं जो व्यावहारिक समाधान के बारे में हो, जो हमारी पहुंच में हो, अगर हमारे पास ऐसा करने की प्रतिबद्धता है. एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कमला हैरिस गुरुवार (स्थानीय समय) को अटलांटा के पास एक स्टार-स्टडेड रैली में जॉर्जिया में पहली बार पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ प्रचार करेंगी. एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रूस स्प्रिंगस्टीन, जिनके संगीत ने डेमोक्रेटिक पार्टी के कई राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों को प्रभावित किया है, गेट-आउट-द-वोट कॉन्सर्ट में प्रदर्शन करेंगे. रिपोर्ट में कहा गया है कि अभियान अधिकारियों के अनुसार, हैरिस शनिवार को मिशिगन में पूर्व अमेरिकी प्रथम महिला मिशेल ओबामा के साथ दिखाई देंगी.

जुलाई में बराक ओबामा और मिशेल ओबामा ने हैरिस का समर्थन किया था और अगस्त में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में दोनों ने ही इस पर टिप्पणी की थी. गुरुवार को फिलाडेल्फिया में पत्रकारों से बात करते हुए जब ओबामा और ब्रूस स्प्रिंगस्टीन से समर्थन मिलने के बारे में पूछा गया, तो हैरिस ने कहा कि वह अपने अभियान कार्यक्रमों में उन्हें पाकर सम्मानित महसूस कर रही हैं.

हम युद्ध रोकने को तैयार... याह्या सिनवार की हत्या के बाद नरम पड़ा हमास, इजरायल करेगा बात

गाजा, एजेंसी। बीते साल अक्टूबर से गाजा जारी तबाही रोकने के प्रयास लंबे समय से चल रहे हैं। हालांकि अब जाकर इजरायल ने गाजा में सीजफायर को लेकर हमास के साथ चर्चा करने पर सहमति जताई है। इजरायल ने गुरुवार को कहा है कि इस बातचीत में उसके चीफ हिस्सा लेंगे। वहीं हमास ने कहा है कि अगर सहमति बन जाती है तो वह अपनी तरफ से युद्ध बंद कर देगा। कई बार युद्धविराम को लेकर प्रयास होने के बाद भी अब तक हमास और इजरायल में सहमति नहीं बन पाई। वहीं हमास नेता याह्या सिनवार के बाद अमेरिका ने एक बार फिर इजरायल से कहा कि अब युद्ध को खत्म कर देना चाहिए। हमास के एक सीनियर नेता ने कहा कि गुरुवार को काहिरा में दोहा के हमास पदाधिकारियों ने एजिप्ट के साथ चर्चा की है। उसने बताया, हमास ने युद्ध को रोकने की बात कही है लेकिन इजरायल को भी युद्धविराम का पालन करना होगा। इसके अलावा गाजा में मानवीय सहायता को इजाजत देनी होगी और फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना होगा। इसके बदले में बंधकों की रिहाई की जाएगी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एजिप्ट के इस प्रयास की सराहना की है और कहा है कि जल्द ही बंधकों की रिहाई को लेकर भी फैसला हो सकता है। काहिरा में बैठक के बाद नेतन्याहू ने मोसाद चीफ को बात करने के लिए भेजा है। इससे पहले अमेरिका और कतर ने कहा था कि गाजा सीजफायर की चर्चा दोहा में होगी। अमेरिकी वदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन गुरुवार को दोहा पहुंचे हैं। इजरायल और अमेरिका के अधिकारियों का कहना है कि युद्धविराम की डील के बीच में सिनवार बहुत बड़ा रोड़ा था। अब 97 बंधकों की रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। बंधकों के परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक इजरायली संगठन ने कहा है कि हमास और नेतन्याहू को बाकी बचे बंधकों की सुरक्षित रिहाई पर सहमति जतानी चाहिए।

इजरायल ने सीरिया में किए हवाई हमले, एक की मौत, सात घायल

दमिश्क, एजेंसी। इजरायल ने एक बार फिर सीरिया में हवाई हमला किया है, जिसमें एक सैन्कि की मौत हो गई है, जबकि सात लोग घायल हुए हैं। सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इजरायल ने सीरिया की राजधानी दमिश्क और मध्य प्रांत होम्स में स्थित एक सैन्य स्थल पर गुरुवार को हवाई हमला किया। इस हमले में एक सैनिक की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये हवाई हमले स्थानीय समयानुसार सुबह 3:40 बजे के करीब गोलान हाइट्स और उत्तरी लेबनान की दिशा से किए गए थे। दमिश्क के काफर सौसा में दो सैन्य स्थल और होम्स के ग्रामीण इलाके में स्थित एक सैन्य स्थल को निशाना बनाया गया है।

मंत्रालय ने बयान में विस्तार से बताया कि इन हमलों में काफी नुकसान हुआ है। इससे पहले दिन में दमिश्क के क्षेत्र में बड़े विस्फोटों की आवाजें सुनाई दी। वहीं, रिपोर्ट में बताया गया है कि काफर सौसा में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया है। ज्ञात हो कि इजरायल ने सीरिया में कई सालों से ईरानी ठिकानों को निशाना बनाया है। हालांकि, सीरिया और ईरान सरकारों ने सीरिया में ईरानी सैन्य बलों या ठिकानों के अस्तित्व से इनकार किया है। इससे पहले इजरायल ने लेबनान के साथ तनाव बढ़ने के बाद सीरिया पर अपने हमले को और भी तेज कर दिया है।

पाकिस्तान में तालिबान ने फिर मचाया कत्ल-ए-आम, 10 पुलिसवालों को उतारा मौत के घाट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में तालिबानियों के बढ़ते उत्पात के बीच एक बार फिर आतंकियों ने पुलिस वालों को निशाना बनाया है। शुक्रवार को अफ़गान सीमा के पास दस पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। वहीं 7 अन्य जवान घायल हो गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक हमला एक चेक पोस्ट पर हुआ। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान के तालिबान ने ली है। एक वरिष्ठ खुफिया अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, लगभग एक घंटे तक भीषण गोलीबारी हुई। हमले के दौरान फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के दस जवान शहीद हो गए और सात घायल हो गए। लगभग 20 से 25 आतंकवादियों ने दक्षिण-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी की एक चौकी पर गोलीबारी शुरू कर दी। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (ञ्ञ्क) समूह ने जिम्मेदारी लेते हुए अपने बयान में कहा कि यह हमला वरिष्ठ नेता उस्ताद कुरैशी की हत्या का बदला था। पाकिस्तान की सेना ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे बाजौर में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए एक अभियान में नौ लोगों में कुरैशी भी शामिल था। पाकिस्तान का कहना है कि टीटीपी अफगानिस्तान को बेस के रूप में इस्तेमाल करता है और सत्तारूढ़ तालिबान सीमा के पास आतंकियों को पनाह देता है। हालांकि तालिबान इससे इनकार करता है। अफगानिस्तान में तालिबान के 2021 में सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान में ऐसे हमलों की तादाद बढ़ती जा रही है। तालिबान के पाकिस्तानी आतंकियों ने ज्यादातर सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर हमले किए हैं। इससे पहले भी इस इलाके में आतंकवादियों ने पुलिस को नियमित रूप से निशाना बनाया है। इससे पहले अगस्त में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आतंकवादियों ने पुलिस टीम पर रॉकेट से हमला कर दिया था। इस हमले में कम से कम 11 पुलिसकर्मी मारे गए थे। आतंकियों ने कई पुलिसकर्मियों को बंधक भी बना लिया था। खबरों के मुताबिक पुलिसवालों की गाड़ी पर हमला तब हुआ जब पुलिस वैन कीचड़ भरी सड़क में फंस गई थी।

हमारी आस्था पर उठाए सवाल- जाकिर नाइक से अब पाकिस्तानी ईसाई नाराज, राष्ट्रपति जरदारी को लिखा पत्र, सरकार को घेरा

कराची, एजेंसी। पाकिस्तानी चर्च सिनड (धर्मसभा) के अध्यक्ष बिशप रेव. डॉ. आजाद मार्शल ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को हाल ही में लिखे पत्र में डॉ. जाकिर नाइक की यात्रा के दौरान ईसाई समुदाय और उनकी आस्था के बारे में की गई टिप्पणियों के बारे में अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने पत्र में सरकार द्वारा नाइक की टिप्पणियों को लेकर खेद व्यक्त न करने की आलोचना भी की। पाकिस्तान में बतौर राजकीय अतिथि आए डॉ. नाइक की यात्रा, जो पिछले सप्ताह संपन्न हुई। हालांकि विवादास्पद इस्लामिक उपदेशक का दौरा उनके कई बयानों की वजह से भारी विवादों में रहा। पाकिस्तान अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पत्र में डॉ मार्शल कहते हैं, डॉ जाकिर नाइक के सार्वजनिक भाषणों ने हमारे (ईसाई) समुदाय को काफी परेशान कर दिया है, क्योंकि उन्होंने खुले तौर पर हमारे विश्वास की प्रामाणिकता पर सवाल उठाया, हमारे पवित्र ग्रंथों को बदनाम किया और ऐसे बयान दिए जो ईसाई पादरियों और विद्वानों की मान्यताओं को कमजोर करते हैं। पत्र में कहा गया कि डॉ. नाइक की टिप्पणी ने न केवल धार्मिक अपमान किया है, बल्कि सभी पाकिस्तानियों के राष्ट्रीय गौरव को भी कम किया, चाहे उनकी आस्था कुछ भी हो। पत्र में डॉ. नाइक की टिप्पणियों के बारे में खेद व्यक्त करने की औपचारिक कमी के लिए सरकार की आलोचना भी की गई क्योंकि इससे ईसाई समुदाय द्वारा महसूस की जा रही हाशिए पर होने की भावना और तेज हो गई, जबकि सरकार ने सभी के बीच धार्मिक सद्भाव और आपसी सम्मान बनाए रखने का बार-बार आश्वासन दिया है। डॉ. मार्शल ने पत्र में सरकार से अपील की कि वह ऐसी विभाजनकारी और हानिकारक घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाए, खासकर राज्य के समर्थन में होने वाली ऐसी घटनाओं को भविष्य में होने से रोकें। डॉ. मार्शल ने कहा, डॉ. जाकिर नाइक की टिप्पणियां खुले मंचों पर की गई, जहां हमारे पादरियों और विद्वानों को उनके गलत विचारों और सूचना का उचित तरीके से जवाब देने या उसे सही करने का अवसर नहीं दिया गया। डॉ. मार्शल ने डॉन को बताया कि पाकिस्तान के नागरिकों के रूप में, संविधान के अनुच्छेद 20 के तहत अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों की गारंटी दी गई है, जिसमें कहा गया है, प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म को मानने, उसका पालन करने और उसका प्रचार करने का अधिकार होगा। उन्होंने अनुच्छेद 36 का भी हवाला दिया, जो राज्य को अल्पसंख्यकों के वैध अधिकारों की रक्षा करने के लिए बाध्य करता है। डॉ. मार्शल ने राष्ट्रपति जरदारी से अपील की कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए गंभीर कदम उठाएं कि इन संवैधानिक अधिकारों को बरकरार रखा जाए और किसी भी व्यक्ति द्वारा उनका उल्लंघन न किया जाए।

मॉडल स्टेसी ने ट्रंप पर लगाए छेड़छाड़ के आरोप, कहा- और पीड़ित भी सामने आएं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के बेहद महत्वपूर्ण मोड़ पर, पूर्व मॉडल स्टेसी विलियम्स्स ने रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर 1993 में उनके साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। 56 वर्षीय विलियम्स्स, जो 90 के दशक में एक पेशेवर मॉडल थीं, ने बताया कि वह उस समय दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के माध्यम से ट्रंप से मिली थीं। उनका दावा है कि यह घटना न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित ट्रंप टॉवर में हुई थी।

विलियम्स्स ने इस दुखद अनुभव का वर्णन करते हुए इसे ट्रंप और एपस्टीन के बीच एक विकृत खेल के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह उन लोगों के लिए आवाज उठाने का समय है जिन्होंने यौन उत्पीड़न का सामना किया है और अपने अनुभवों को साझा करने के लिए खुद को मजबूर महसूस कर रही हैं। यह आरोप पेंसिल्वेनिया के एक समूह, सर्वाइवर्स फॉर कमला, द्वारा आयोजित एक कॉल पर सार्वजनिक किया गया। यह समूह 2024 के चुनावों में डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस का समर्थन कर रहा है।

विलियम्स्स ने इस मंच का उपयोग करते हुए अपने अनुभव को साझा किया, जिससे इस मुद्दे पर जागरूकता बढ़े।इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप और उनके अभियान ने इन आरोपों का खंडन किया है। जैसे-जैसे चुनाव का समय निकट आ रहा है, राजनीतिक माहौल में यह आरोप और भी गरमाहट ला सकता है, और यह देखना होगा कि ट्रंप के विरोधी इस मामले का किस प्रकार उपयोग करते हैं। इस घटना ने फिर से उस चर्चा को जीवित कर दिया है कि यौन उत्पीड़न के मुद्दे राजनीति में किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और आरोपी और पीड़ित के बीच का संतुलन कैसे निर्धारित होता है। इस मामले की आगे की कानूनी और राजनीतिक परिणामों पर सभी की नजरें बनी रहेंगी।

70 साल पीछे पहुंचा गाजा, युद्ध ने फिलिस्तीनी अर्थव्यवस्था को किया तबाह: यूएनएजेंसी चीफ

गाजा , एजेंसी। इजरायल हमास के बीच एक साल से जारी युद्ध ने गाजा पट्टी को 1950 के दशक की स्थिति में पहुंचा दिया। फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने यह बात कही। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यूएन अधिकारी फिलिप लाजारिनी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संयुक्त राष्ट्र के एक नवीनतम अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि युद्ध ने फिलिस्तीनी अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया है। गाजा की लगभग पूरी आबादी गरीबी में जी रही है, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्र 70 साल पीछे चले गए हैं। बता दें लाजारिनी संयुक्त राष्ट्र के नियर ईस्ट में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के कमिश्नर जनरल हैं। लाजारिनी ने कहा, यह जितना लंबा चलेगा, लाखों लड़कियों और लड़कों को सीखने के माहौल में वापस लाने में उतना ही अधिक समय लगेगा, इन भारी नुकसानों को कम करने की चुनौतियां उतनी ही अधिक होंगी।

इससे पहले लाजारिनी ने उत्तरी गाजा में तत्काल लड़ाई को रोकने के लिए अपील की थी ताकि वहां फंसे नागरिकों तक मानवीय सहायता पहुंचाई जा सके। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि यूएनआरडब्ल्यूए के कर्मचारियों ने युद्धग्रस्त क्षेत्र में भोजन, पानी या दवा नहीं मिलने की सूचना दी है। फिलिप लाजारिनी ने कहा, हर जगह मौत की गंध है, शव सड़कों पर या मलबे के नीचे पड़े हैं। शवों को हटाने या मानवीय सहायता प्रदान करने के मिशनों को अस्वीकार कर दिया गया है। यूएन एजेंसी चीफ ने आगे कहा, उत्तरी गाजा में लोग बस मरने का इंतजार कर रहे हैं। वे खुद को अकेला, निराश और अकेला महसूस कर रहे हैं। वे एक घंटे से दूसरे घंटे तक जीते हैं, हर पल मौत से डरते हैं। लाजारिनी ने लिखा, उत्तरी गाजा में हमारे कर्मचारियों की ओर से, मैं तत्काल युद्धविराम की मांग कर रहा हूं, भले ही कुछ घंटों के लिए, ताकि उन परिवारों के लिए सुरक्षित मानवीय मार्ग सुनिश्चित हो सके जो क्षेत्र को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचना चाहते हैं। यह उन नागरिकों की जान बचाने के लिए न्यूनतम है जिनका इस संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं है। हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर को इजरायल में हमला किया था। हमले में करीब 1200 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था। इसके बाद से इजरायल हमास के कंट्रोल वाली गाजा पट्टी पर हमले कर रहा है।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत्त शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

22 नवंबर को रिलीज होगी अभिषेक बच्चन की नई फिल्म आई वांट टू टॉक

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन वापसी के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। 2023 में रिलीज हुई फिल्म घूमर में अभिषेक आखिरी बार नजर आए थे। अभिषेक की आगामी फिल्म आई वांट टू टॉक है। फिल्म का रोमांचक और अद्भुत टीजर कुछ ही देर पहले यूट्यूब पर जारी किया गया। फिल्म के टीजर में अभिषेक नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि, कार के डेक पर एक स्टैच्यू रखा है, जिसका सर लगातार हिलता दिखाई दे रहा है। इसके पीछे से अभिषेक का वॉइस ओवर सुनाई दे रहे है। अभिषेक ने टीजर में वॉयसओवर के लिए अपनी आवाज भी दी है। वॉयसओवर में, वह कहते हैं, मुझे सिर्फ बात करना पसंद नही है। मैं बात करने के लिए जीता हूं। जिंदा होने में और मरने में बस यही एक बात का अंतर दिखाई देता है। जिंदा लोग बोल पाते हैं और मरे हुए लोग बोल नहीं पाते। टीजर का आखिर में फिल्म का शीर्षक सामने आता है। यूट्यूब के अलावा अभिषेक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भी फिल्म का टीजर साझा किया है।

यूट्यूब पर फिल्म का टीजर जारी किया गया। टीजर के आखिर में फिल्म के कलाकारों का भी पता चला। अभिषेक मुख्य भूमिका में हैं, फिल्म में अहिल्या बामरू, जॉनी लीवर, जयंत कृपलानी, पियरले डे और क्रिस्टिन गोडार्ड नजर आएंगे। आई वांट टू टॉक के अद्भुत टीजर को अभिषेक के प्रशंसकों की लगातार प्रतिक्रिया मिल रही है। वहीं विक्की कौशल ने भी फिल्म के टीजर की बड़ी सराहना की है। विक्की ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर टीजर साझा किया और लिखा, शूजित दा का जादू! टीजर पसंद आया। शीर्षक पसंद आया और... एबी का इंतजार नहीं कर सकता! बता दें अभिषेक और विक्की ने मनमर्जियां में साथ काम किया था। आई वांट टू टॉक अभिषेक और शूजित की पहली साथ में फिल्म है। हालांकि, शूजित ने अभिषेक के पिता, अभिनेता अमिताभ बच्चन के साथ पीकू (जिसमें शूजित सरकार सह-लेखक थे) और गुलाबो सिताबो में काम किया है। आई वांट टू टॉक 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मैं फिल्म में क्रिएटिवली ज्यादा शामिल होना चाहती थी इसीलिए प्रड्यूसर बनने का मन बनाया

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन जल्द ही फिल्म दो पत्ती में नजर आएंगी। इस फिल्म में उन्होंने डबल रोल निभाया है। उन्होंने हमारे साथ बातचीत में बताया कि लॉकडाउन के दौरान ही उन्हें बिजनेस करने का ख्याल आया था। इसीलिए अब वो प्रोडक्शन की दुनिया में भी हाथ आजमा रही हैं।

ऐक्टिंग में इस साल एक दशक पूरे करने साथ ही अब आप बिजनेस और फिल्म प्रॉडक्शन में भी उतर चुकी हैं। इन अलग-अलग क्षेत्रों में हाथ आजमाने का ख्याल कैसे आया?

ऐसा नहीं है कि मेरे दिमाग में आया कि अभी ऐक्टिंग में इतने साल हो गए तो मुझे कुछ और करना चाहिए। हमें कभी किसी चीज की ओर अचानक से जुड़ाव महसूस होता है। जैसे बिजनेस का ख्याल मेरे दिमाग में लॉकडाउन में आया। मैं सोचती हूं कि बचपन में जब कोई पूछता था कि बड़े होकर क्या बनना है तो जवाब एक ही क्यों होता था! हम बहुत कुछ कर सकते हैं ना, बहुत कुछ बन सकते हैं।

फिल्म दो पत्ती में डबल रोल के अलावा को-प्रड्यूसर की भूमिका निभाने के पीछे भी क्या यही सोच रही?

मैं असल में ऐसे दौर में थी जहां मैं फिल्म में सिर्फ ऐक्टर के बजाय क्रिएटिवली और ज्यादा शामिल होना चाहती थी। जब मैं मिमी कर रही थी, तब मुझे यह अहसास हुआ। उस फिल्म से मैं इमोशनली और कई तरीके से इतना जुड़ गई थी कि उसके हर पहलू का हिस्सा बनना चाहती थी। तब मैंने प्रड्यूसर बनने का मन बनाया। दूसरे, बहुत मुश्किल से आपके पास ऐसी स्क्रिप्ट आती है जिसमें आपको इतने गहरे और इंटेंस लेवल पर परफॉर्म करने को मिले तो मैं ऐसा कोई रोल तलाश भी रही थी जो मुझे मिल नहीं रहा था।

कनिका के मुताबिक, औरतें जब साथ आती हैं तो कमाल करती हैं। आपकी इस पर क्या राय है? आपके हिसाब से औरतें साथ में कैसे एक-दूसरे को सशक्त बनाती हैं?

मैं कनिका से बिल्कुल सहमत हूं। मेरा मानना है कि जो आप अपने घर में देखते हैं, अपनी मां को करते हुए देखते हैं, वह आपकी पर्सनैलिटी को बनाता है। मैंने हमेशा यही देखा कि मेरी मॉम और डैड दोनों काम करते हैं। दोनों साथ मिलकर फैसले लेते हैं। ऐसा नहीं था कि मेरी मां घर में मेरे डैड से किसी मायने में कम थीं।

फिल्म में आप पहली बार डबल रोल कर रही हैं और ये दोनों भूमिकाएं एक-दूसरे से और चुनौतीपूर्ण हैं। एक ही समय में इन दोनों पर्सनैलिटीज में खुद को ढालने के लिए क्या तरकीब अपनाई?

मेरे लिए सबसे जरूरी इन दोनो पर्सनैलिटीज को समझना था कि मैं उनको एक-दूसरे से अलग कैसे कर सकती हूं क्योंकि ये बहनें हैं। ऐसा नहीं है कि वे बचपन में बिछड़ गई हैं और बाद में मिली। वे एक ही घर में, एक ही परिवार के साथ रही हैं, उनकी परवरिश एक है, फिर भी उनके बीच अंतर क्या है? मुझे वह खोजना था और अंतर होता है। जैसे, मैं और मेरी बहन भी अलग है, एक ही सिचुएशन में हम दोनों का रिएक्शन बहुत अलग होता है। उसे गुस्सा बहुत आता है, मुझे नहीं आता है तो इन चीजों को पकड़ा। उसके हिसाब से उनकी चाल-ढाल, एक्सप्रेशन में बदलाव लाया। इन बहनों के बीच दुश्मनी भी है, वह क्यों है? यह साइकॉलजी समझना मुश्किल था, पर इसी का मजा था।

टल गई यश की फिल्म टॉक्सिक की रिलीज डेट

अभिनेता यश की आगामी फिल्म टॉक्सिक का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और इससे जुड़ी हर खबर पर उनकी नजर रहती है। बीते दिनों इस फिल्म को लेकर खबर आई थी कि इसकी रिलीज डेट स्थगित कर दी गई है। अब खुद रॉकी भाई ने इस खबर की पुष्टि कर दी है। टॉक्स्कि पहले अप्रैल 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

अप्रैल में रिलीज नहीं होगी फिल्म

कन्नड़ सुपरस्टार यश ने हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत में इस बात को आधिकारिक रूप से कंफर्म किया है कि टॉक्सिक अप्रैल में रिलीज नही हो रही है। उन्होंने कहा कि शूटिंग शुरू होने से पहले फिल्म की रिलीज डेट का एलान जल्दबाजी में कर दिया गया था। इसे लेकर अभिनेताओं के शेड्यूल पर विचार नहीं हो पाया। फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होनी थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

ये सितारे भी आएंगे नजर

फिल्म टॉक्सिक का एलान बीते वर्ष रिलीज डेट के साथ ही किया गया था। इस फिल्म में यश के अलावा नयनतारा, कियारा आडवाणी और हुमा कुरैशी जैसे चर्चित सितारे भी नजर आएंगे। यह मेगा बजट फिल्म है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

यह ऑस्कर विजेता कंपनी करेगी वीएफएक्स का काम

नई रिलीज डेट को लेकर जब यश से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वे फिलहाल इसका एलान नहीं करना चाहते। कुछ वक्त में वे आधिकारिक रूप से चीजों को सामने पेश करेंगे। यश ने यह भी कहा कि टॉक्सिक का वीएफएक्स का काम ऑस्कर और नेशनल अवॉर्ड विजेता कंपनी छ्हश्वन्न करने जा रही है।

रोलेक्स किरदार की लोकप्रियता को सूर्या ने बताया अप्रत्याशित

सूर्या इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कंगुवा के प्रमोशन में व्यस्त हैं। उनकी और बॉबी देओल के अभिनय वाली ये फिल्म इस साल की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अभिनेता के फैंस बेसब्री से इस फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा फैंस उन्हें रोलेक्स के किरदार में भी देखने को लेकर काफी उत्सुक हैं। सूर्या साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म विक्रम में रोलेक्स के किरदार में कैमियो करते नजर आए थे। हाल में ही अभिनेता ने अपने इस कैमियो को लेकर बात की है। सूर्या ने साल 2022 में दिग्गज अभिनेता कमल हासन की फिल्म विक्रम में रोलेक्स के किरदार में नजर आए थे। साउथ के मशहूर निर्देशक लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उनके कैमियो किरदार की काफी चर्चा हुई थी। अभिनेता इस किरदार में काफी खूंखार और क्रूर नजर आए थे। इस पर बात करते हुए अभिनेता ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनके इस कैमियो को इतने व्यापक तरीके से पसंद किया जाएगा। अभिनेता ने इसमें जोड़ते हुए बताया कि उन्होंने इसके लिए पूरे एक दिन की भी शूटिंग नहीं की थी।

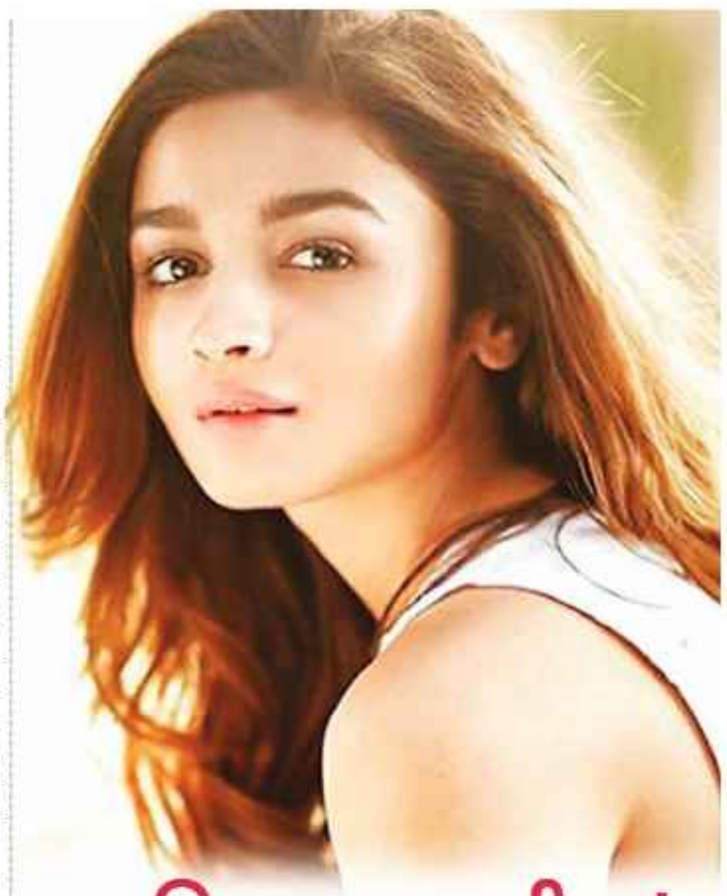

आलिया भट्ट की ब्रांड वैल्यू को करारा झटका 'जिगरा' के फ्लॉप होने के दिखने लगे साइड इफेक्ट्स

फिल्म 'कलंक' के बाद से एक ब्लॉकबस्टर सुपरहिट फिल्म का इंतजार कर रही आलिया भट्ट के लिए उनकी ताजातरीन फिल्म 'जिगरा' करारा झटका साबित हुई है। ब्रांड बाजार में अपनी स्थिति सुधारने के लिए अब उनके पास लंबे समय तक कोई दूसरी फिल्म भी नहीं है। इन दिनों उनकी सिर्फ एक फिल्म 'अल्फा' ही निर्माणाधीन है और इसकी रिलीज अगले साल के आखिर में होने वाली है। उनकी तीन-चार फिल्में लंबे समय से चर्चा में हैं, लेकिन इनमें से किसी की भी शूटिंग हाल फिलहाल शुरू होती नहीं दिख रही है।

साल 2019 तक आलिया भट्ट का करियर शानदार रफ्तार में चला। 'उड़ता पंजाब', 'डियर जिंदगी', 'बदरीनाथ की दुल्हनिया', 'राजी' और 'गली बॉय' जैसी पांच बैक टू बैक हिट फिल्में देकर आलिया ने अपनी पोजीशन हिंदी सिनेमा की नंबर वन हीरोइन की कुर्सी पर पक्की की ही थी कि धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'कलंक' ने उनकी इस रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। उसके बाद से लगातार आलिया संघर्ष कर रही हैं। 'कलंक' के बाद इस बीच आलिया ने 'ब्रह्मास्त्र' और 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' जैसी धर्मा प्रोडक्शंस की दो और फिल्मों में काम किया और इन फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर फिल्म 'जिगरा' की तरह ही खूब चर्चाएं होती रहीं।

इस बीच उनकी फिल्म 'सड़क 2' सुपरफ्लॉप रही। 'गंगूबाई काठियावाड़ी' किसी तरह निर्माता जयंती लाल गडा के आर्थिक सहयोग से सिनेमाघरों तक पहुंची और टिकट खिड़की पर औसत कारोबार ही कर सकी। उनकी दो फिल्में सीधे ओटीटी पर प्रसारित हुई, जिसमें फिल्म 'डार्लिंग्स' को मिली जुली प्रतिक्रिया मिली। लोगों को इसमें आलिया भट्ट और शेफाली शाह का काम तो खूब पसंद आया लेकिन विजय वर्मा की मौजूदगी ने और उनके एकरस अभिनय ने फिल्म को नुकसान भी पहुंचाया। 'हार्ट ऑफ स्टोन' कब आई और कब चली गई, लोगों को अब याद भी नहीं है।

एस एस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' के जरिये आलिय भट्ट ने साउथ सिनेमा में प्रवेश करने की कोशिश की है। इस फिल्म के सेट पर उनकी जूनियर एनटीआर से बनी दोस्ती ने फिल्म 'वॉर 2' का रास्ता खोला। आलिया और उनके करीबी निर्देशक अयान मुखर्जी के बीच जूनियर एनटीआर को लेकर जो खिचड़ी पकी, उसी से 'अल्फा' का भी जन्म हुआ। लेकिन, अब 'जिगरा' के फ्लॉप हो जाने के बाद आलिया का एक्शन अवतार 'अल्फा' में दर्शकों को पसंद आएगा भी या नहीं, इसे लेकर यशराज फिल्म्स में अभी से बहसें होने लगी हैं।

आलिया भट्ट ने 'जिगरा' से जो उम्मीदें लगा रखी थीं, वे इसी कहानी पर बनी फिल्म 'सावि' से निराश हुए दर्शकों के चलते पूरी नहीं हुईं। उनकी पीआर टीम ने 'जिगरा' को एक बढ़िया फिल्म बताने की कोशिश पूरी की लेकिन अब फिल्म के निर्देशक वासन बाला ने फिल्म के न चलने की जिम्मेदारी खुद ले ली है। उनका कहना है कि किसी फिल्म को वांछित बॉक्स ऑफिस आंकड़ों तक लाना निर्देशक की जिम्मेदार है। वासन ने अपना एक्स अकाउंट भी इसके बाद से बंद कर लिया है। आलिया की घोषित फिल्मों में 'लव एंड वॉर' की शूटिंग अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गई है। 'इंशाअल्लाह' को लेकर संजय लीला भंसाली के दफ्तर में चूं तक नहीं हो रही और 'ब्रह्मास्त्र 2' पर काम जियो स्टूडियोज और फॉक्स स्टार स्टूडियो के बीच हुई डील पूरी होने तक रुका रहेगा।

प्रभास को जोकर कहने की ट्रोलिंग से अरशद ने लिया सबक

बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी को तब से कड़ी आलोचना और नफरत का सामना करना पड़ रहा था, जब से उन्होंने कल्कि 2898 एडी में प्रभास की भूमिका के लिए उन्हें जोकर कहा था। अब अभिनेता ने कहा कि वह फिर कभी किसी फिल्म या अभिनेता की आलोचना नहीं करेंगे। इसके अलावा अरशद ने सोशल मीडिया के बुरे प्रभाव के बारे में भी खुलकर बात की है।

अरशद ने हाल ही में एक साक्षात्कार में अपनी बेपरवाही जताई और बताया कि सोशल मीडिया पर हुई ट्रोलिंग से वह परेशान नहीं होते हैं क्योंकि वह एक पॉजिटिव व्यक्ति हैं। अभिनेता ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह ठीक है। हर किसी का अपना नजरिया होता है। साथ ही, यह एक लोकतांत्रिक देश है, और इसमें सभी को बोलने की अनुमति है।

अभिनेता ने आगे कहा, आप एक सकारात्मक व्यक्ति हैं, तो कोई भी नेगेटिव बात आपको परेशान करती है। हालांकि, हम ऐसी जगह रहे हैं, जहां पत्थर फेंके जाते हैं, इसलिए यह अब मुझे परेशान नहीं करता है। सोशल मीडिया पर आलोचनाओं के बाद अरशद ने अपने कुछ इंस्टाग्राम पोस्ट के कमेंट सेक्शन को बंद कर दिया है। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें यह भी नहीं पता कि ऐसा कैसे करना है, लेकिन उन्होंने कहा कि भविष्य में वे अपनी राय सुरक्षित रखेंगे। उन्होंने हंसते हुए कहा, मैंने तय कर लिया है कि मैं जो भी फिल्म देखूंगा, उसे पसंद करूंगा। मैं अपनी बाकी की जिंदगी में हर एक्टर को पसंद करूंगा। बता दें कि अरशद ने यूट्यूबर समदीश भाटिया से बात करते हुए कहा था कि कल्कि में तेलुगु सुपरस्टार प्रभास का किरदार एक कैरिकेचर था और इस बात ने लोगों को नाराज कर दिया था। उन्होंने कहा था, प्रभास, मैं वाकई बहुत दुखी हूं। उन्हें जोकर की तरह क्यों दिखाया गया? क्यों? मैं मैड मैक्स देखना चाहता हूं। मैं मेल गिब्सन देखना चाहता हूं। आपने इसे क्या बना दिया है? वे ऐसी चीजें क्यों करते हैं? मैं कभी नहीं समझ पाऊंगा। हालांकि, अरशद ने उसी फिल्म में अमिताभ बच्चन के अभिनय की प्रशंसा की थी।

लॉरेंस की धमकी के बावजूद सलमान कमिटमेंट करेंगे पूरी, 'सिंघम अगेन' में आएंगे नजर

लॉरेंस बिश्नोई की गैंग के द्वारा जान से मारने की धमकी के बाद सलमान खान की चिंता बढ़ गई है। हाल ही में उनके करीबी एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद अभिनेता की सुरक्षा को और भी बढ़ा दिया गया। इन सब के बावजूद सलमान अपने काम को प्रभावित नहीं होने देना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अपने कमिटमेंट के मुताबिक अजय देवगन और रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' की शूटिंग पूरी करेंगे। सलमान फिल्म में 'चुलबुल पांडे' का कैमियो करते नजर आएंगे। अभिनेता के इस कदम से उनका संवाद याद आता है, 'एक बार जो मैंने कमिटमेंट कर दी तो फिर मैं अपने आप की भी नहीं सुनता'।